04 - जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति

05 - ऊर्जा संरक्षण से पूरी होगी बिजली की जरुरतें

A Daily News Magazine

इंदौर

शनिवार, 14 दिसंबर, 2024

06 - हजारों ने किया योग, आरोग्य शिविर का भी लिया लाभ

07 - समन्वित प्रयासों से होगा विन्ध्य क्षेत्र का चहुंमुखी विकास...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 76, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

(डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

उम्र घटती जा रही है,
ख्वाहिशें बढ़ती जा रही हैं।
ज़िंदगी की गिनती तो कम हो रही,
पर उम्मीदें पलती जा रही हैं।
दिल कहता है हर सपना पूरा करूँ,
पर वक्त की रेत मुट्ठी से
फिसलती जा रही है।
चाहतें आसमान छूने की,
और ज़मीं पैरों तले सिमटती जा रही है।
उम्र ने सिखाया ठहराव का सबक,
पर दिल के अरमान दौड़ते जा रहे हैं।
हर पड़ाव पे नया मंज़र,
और हम मुसाफ़िर बनते जा रहे हैं।
जो मिल गया, वो कम लगता है,
जो बाकी है, वो ज्यादा खींचता है।
शायद यही है ज़िंदगी का फलसफा,
कि उम्र घटती रहे, और
ख्वाहिशें बढ़ती रहें।।

- अंशा उपाध्याय

प्रसंगवश

सोरेन के सामने 'अबुआ सरकार' की छवि स्थापित करना बड़ी चुनौती?

नीरज सिन्हा

झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने वाले हेमंत सोरेन ने अपनी इस नई पारी को 'अबुआ सरकार' यानी अपनी सरकार बताया था। पांच दिसंबर को मंत्रिमंडल विस्तार के वक्त भी हेमंत सोरेन आत्मविश्वास में दिख रहे थे। उन्होंने कहा है कि सरकार तेज गति से काम करेगी। हालांकि इन सबके बीच हेमंत सोरेन सरकार के सामने 'अबुआ सरकार' की छवि को स्थापित करने की कई चुनौतियां भी हैं। इस बार हेमंत सोरेन की अगुवाई में इंडिया ब्लॉक ने 56 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल की है। झारखंड के चुनावी इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी गठबंधन को इतना शानदार जनादेश मिला है। जाहिर तौर पर हेमंत सरकार के सामने इस जनादेश का विश्वास जीतना चुनौती भरा है।

झारखंड के बारे में आमधारणा है कि अलग राज्य गठन के 25 साल हुए, पर संतुलित, सम्यक विकास और भविष्य का तानाबाना कहीं पीछे छूट गया। 2019 में हेमंत सोरेन के सत्ता में काबिज होने के बाद से शासन के इकबाल और पारदर्शिता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। इनमें लॉ एंड ऑर्डर को दुरूस्त करना, अवैध माइनिंग खासकर बालू और कोयले की चोरी को रोकना और अधिकारियों, कर्मचारियों को निचले से शीर्ष स्तर पर जनता के बीच जवाबदेह बनाना और कथित तौर पर करप्शन को रोकने और ट्रांसफर-पोस्टिंग को पारदर्शी बनाने पर हेमंत सोरेन के इरादे और वादे पर सबकी नजरें हैं।

हेमंत सोरेन एक बेहतर शासन स्थापित करने की कोशिशों में चाहेंगे कि सिस्टम को टाइट रखें, जिससे जनता का भरोसा जीता जा सके। वैसे भी झारखंड में चाहे सरकारें जिसकी रहीं, कथित तौर पर नौकरशाही सत्ता में हावी रही। चौथी बार मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन शासन- प्रशासन की हर कमजोर कड़ियों को करीब से जानने-समझने लगे हैं। राज्य की बड़ी आबादी की जरूरतों और जनाकांक्षाओं से भी वे वाकिफ हैं। पिछले कार्यकाल में कई मोर्चे पर उन्होंने राज्य हित में अहम फैसले लिए। कई बड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारा। कई योजनाएं भी शुरू की। नौकरशाही के कथित कॉकस को सत्ता पर हावी होने से रोकने और तेज- तर्रार अफसरों को प्रमुख जिम्मेदारियों के साथ उन्हें अगली कतार में लाने के लिए हेमंत सोरेन कौन से प्रभावी कदम उठाते हैं, इस ओर सबकी निगाहें टिकी हैं। इसके साथ ही अलग- अलग क्षेत्रों के एक्सपर्ट्स के साथ रायशुमारी के बाद विजन और डाक्यूमेंट्स बेस्ड तथा टाइम बाउंड काम की चुनौती भी सरकार के सामने है।

हेमंत सरकार के लिए वित्तीय प्रबंधन के मोर्चे पर राज्य को मजबूत बनाने की अहम चुनौती है। सरकार की एक महत्वाकांक्षी- मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना के तहत 50 लाख महिलाओं को उनके खाते में हर महीने एक हजार रुपए की राशि भेजी जा रही है। चुनावी वादे के अनुरूप इसी महीने से महिलाओं के खाते में ढाई हजार रुपए भेजे जाने की तैयारी है। सरकार ने पहले ही बिजली उपभोक्ताओं का बकाया बिल माफ कर दिया है। दो सौ यूनिट बिजली भी मुफ्त कर दी गई है। इधर इंडिया ब्लॉक ने लोगों से 15 लाख तक पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने का वादा किया गया है। जाहिर तौर पर इन सबका खजाने पर बड़ा बोझ पड़ेगा। इस बीच झारखंड में बिजली का टैरिफ बढ़ाने का मसौदा तैयार किया गया है।

इंडिया ब्लॉक की गारंटी में प्रति व्यक्ति सात किलो राशन देने और हर गरीब परिवार को साढ़े चार सौ रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा किया गया है। इनके अलावा धान की एमएसपी को 2400 रुपए से बढ़ाकर 3200 रुपए करने का वादा है। राज्य की 75 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि उत्पादन को बढ़ाने और बाजार मुहैया करने के लिए सरकान को नवाचार प्रयोग करने होंगे।

नीति आयोग ने बहुआयामी गरीबी सूचकांक द्वारा झारखंड को भारत के दूसरे सबसे गरीब राज्य के रूप में वर्गीकृत किया है। अभी भी इसकी अधिकांश ग्रामीण आबादी स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच के बिना रह रही है। नीति आयोग के अनुसार, बहुआयामी ग्रामीण गरीबी दर 2015-16 में 50.92 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 34.93 प्रतिशत हो गई है, फिर भी कई परिवार अभी भी आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर हैं और सरकारी योजनाओं और लाभों तक उनकी पहुंच नहीं है। लिहाजा इन सेक्टर में आमूलचूल बदलाव और प्रतिबद्धता के साथ काम करना सरकार की चुनौती होगी।

इस बीच 'लोकतंत्र बचाओ मोर्चा' ने मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही जनमत के अनुरूप जन मुद्दों पर सरकार से कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। इंडिया ब्लॉक ने चुनाव से पहले 'एक वोट सात गारंटी' के नाम से जारी अपने घोषणा पत्र में झारखंड में दस लाख युवाओं को नौकरी, रोजगार देने का वादा किया है। 2019 में भी हेमंत सोरेन ने नौकरी, रोजगार के सवाल पर युवाओं से कई अहम वादे किए थे। लेकिन नियुक्तियों, रोजगार, वेकैंसी और पारदर्शी प्रतियोगिता परीक्षाओं को लेकर युवाओं के बीच हताशा और निराशा के स्वर सुनाई पड़ते रहे हैं।

राज्य में सरकारी विभागों में करीब तीन लाख पद खाली हैं। इन पदों को भरे जाने की बड़ी चुनौती सरकार के सामने है। राज्य सरकार का कोयला कंपनियों पर एक लाख 36 हजार करोड़ रुपए के बकाए की वसूली को लेकर हेमंत सरकार ने निर्णय लिया है कि केंद्र सरकार/केंद्रीय उपक्रमों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

झारखंड में आदिवासियों के बहुतेरे सवाल हैं। उनकी बड़ी आबादी समुचित विकास से पीछे हैं। रोजगार, सिंचाई, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में आदिवासी अपने को वंचित और उपेक्षित महसूस करते रहे हैं। वनोत्पाद और खनिज संपदा पर उनका भी हक और अधिकार बनता है। इंडिया ब्लॉक ने आदिवासियों के लिए जनगणना में सरना कोड लागू करने और अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा पिछड़ा वर्ग का आरक्षण बढ़ाने तथा 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू कराने की गारंटी दी है। गौरतलब है कि ये तीनों मुद्दे संवेदनशील रहने के साथ सियासत के केंद्र में रहे हैं।

चुनाव के समय हेमंत सोरेन ने जोर दिया था कि झारखंड में एनआरसी नहीं पेसा कानून सीएनटी-एसपीटी चलेगा। अब सरकार के सामने पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार)अधिनियम 1996 को लागू कराने की चुनौती है। झारखंड में सरना कोड और पेसा लागू करना आदिवासियों की भावना से जुड़ा मसला है। भूमिहीन, दलित और विस्थापितों के आवासीय और जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल करने, वनाधिकार और सामुदायिक पट्टे के अलावा विस्थापन, पलायन जैसे गंभीर मुद्दे पर सरकार को काम करने होंगे।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

गुलामी के कालखंड में भी कुंभ की आस्था नहीं रुकी

पीएम मोदी बोले, महाकुंभ के लिए स्थापित किया कलश

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रयागराज महाकुंभ के लिए कलश स्थापित किया। 5700 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का भी शिलान्यास-उद्घाटन किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा- गुलामी के कालखंड में भी कुंभ की आस्था नहीं रुकी। मोदी ने कहा- संगम आकर संत-महंत, ऋषि-मुनि, ज्ञानी-विद्वान सब एक हो जाते हैं। जातियों का भेद खत्म हो जाता है। संप्रदायों का टकराव मिट जाता है। प्रयागराज वो स्थान है, जिसके प्रभाव के बिना पुराण पूरे नहीं होते। इसलिए मैं कहता हूं कि ये महाकुंभ, एकता का महायज्ञ है। इसमें हर तरह के भेदभाव का आहुति दी जाती है। इससे पहले, पीएम अरैल घाट से निषादराज क्रूज में सवार होकर संगम तट पर गए। यहां साधु-संतों से मुलाकात की। इसके बाद संगम नोज पर 30 मिनट गंगा पूजन किया। गंगा को चुनरी चढ़ाई।

पहले कुंभ जैसे आयोजन सामाजिक परिवर्तनों के आधार थे

पीएम ने कहा- जब संचार के आधुनिक माध्यम नहीं थे, तब कुम्भ जैसे आयोजनों ने बड़े सामाजिक परिवर्तनों का आधार तैयार किया था। कुंभ में संत और ज्ञानी लोग मिलकर समाज के सुख-दुख की चर्चा करते थे। वर्तमान और भविष्य पर चिंतन करते थे। आज भी कुंभ जैसे बड़े आयोजनों का महात्मय वैसा ही है। ऐसे आयोजनों से देश के कोने-कोने में, समाज, देश में सकारात्मक संदेश जाता है, राष्ट्र चिंतन की धारा निरंतर प्रवाहित होती है। यह गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी, नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है।

एआई चैट बॉट ग्यारह भाषाओं में चैट करेगा

मोदी ने कहा- महाकुंभ 2025 जिस दौर में हो रहा है, वो टेक्नोलॉजी के मामले में पिछले आयोजनों से बहुत आगे है। एआई चैट बॉट की शुरुआती की। एआई चैट बॉट 11 भाषाओं में चैट करने में सक्षम है। महाकुंभ में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जाए। महाकुंभ को एकता के महाकुंभ में फोटोग्राफी प्रतियोगिता की जा सकती है। किसी अन्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा सकता है। पहले की सरकारों ने इसके महत्म पर ध्यान नहीं दिया मोदी ने कहा- कुंभ और धार्मिक यात्राओं का इतना बड़ा महत्व होने के बावजूद पहले की सरकारों ने इसके महत्म पर ध्यान नहीं दिया। श्रद्धालु ऐसे आयोजनों में कष्ट उठाते रहे, लेकिन तब की सरकारों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। इसकी वजह थी कि भारतीय संस्कृति से उनका लगाव नहीं था। आज केंद्र और राज्य में भारत के प्रति आस्था और भारतीय संस्कृति को सम्मान देने वाली सरकार है।

मुख्यमंत्री ने टाइगर रिजर्व रातापानी का लोकार्पण किया

जंगल का असली राजा खुद शिकार करने वाला टाइगर

मुख्यमंत्री के साथ अभिनेता रणदीप हुड्डा ने झिरी-रायसेन में रातापानी टाइगर रिजर्व के लोकार्पण अवसर पर बाइक रैली की अगुवाई कर बाइक चलाई

भोपाल (नप्र)। सीएम डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को प्रदेश के 8वें टाइगर रिजर्व रातापानी का लोकार्पण किया। भोपाल, सीहोर और रायसेन जिले के युवाओं की 'एक विरासत से विकास की अनूठी दौड़' बाइक रैली में सीएम और एक्टर रणदीप हुड्डा ने खुद बुलेट चलाई। यह रैली भोपाल के कोलार रोड स्थित गोल जोड़ से शुरू होकर एकांत पार्क तक जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान सीएम ने कहा, मुझे आज तक नहीं समझ आया कि टाइगर और लायन में जंगल का राजा लायन कैसे हो सकता है। जंगल का राजा तो टाइगर ही होता है। दोनों में मूल अंतर यह है कि टाइगर अपने भोजन के लिए खुद शिकार करता है।

टाइगर रोज शाम को 4 बजे अपने एरिया की निगरानी करता है कि कहीं कोई घुसपैठिया तो नहीं आया। उसके उलटा लायन की जिंदगी में वह अपने परिवार में विश्वास करते हैं। वे परिवार में अपनी मादाओं के साथ रहता है। वह अपना शिकार खुद नहीं करता। बाकी लोग शिकार करते हैं, वह खाता है।

इस दौरान सीएम ने फिल्म वीर सावरकर में रणदीप हुड्डा की एक्टिंग की तारीफ की। उन्होंने कहा- दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि कांग्रेस से कई लोग आज भी उनके बारे में नादानी की बात करते हैं। कोलार के नजदीक गोल जोड़ से 'एक विरासत से विकास की अनूठी दौड़' बाइक रैली रवाना हुई थी।

रातापानी में 96 बाघ- रातापानी टाइगर रिजर्व एकमात्र लैंडस्केप बन गया है, जहां 96 बाघों ने उपस्थिति दर्ज कराई है। रातापानी टाइगर रिजर्व लैंडस्केप में वर्ष 2026 में होने वाली गणना में 150 से अधिक बाघ अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। 2026 तक प्रदेश में बाघों की संख्या 1100 के आसपास हो सकती है। इसका सर्वे रातापानी टाइगर रिजर्व से शुरू होगा।

रणदीप हुड्डा ने भी चलाई बाइक, कहा आज उस धरती पर आया हूं जहां भगवान ने शिक्षा ग्रहण की

कार्यक्रम के दौरान फिल्म अभिनेता रणदीप हुड्डा ने कहा कि मैं कुरुक्षेत्र की धरती से आता हूं। जहां भगवान कृष्ण ने दुनिया को अन्याय के खिलाफ लड़ने की सीख दी थी। आज उस धरती पर आया हूं जहां भगवान ने शिक्षा ग्रहण की। कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव और रणदीप हुड्डा के साथ कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर और भाजपा प्रभारी मंत्री डॉ महेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

पहाड़ों में बर्फबारी ने 'मैदानी' इलाकों को किया कूल-कूल

● लाहौल-स्पीति में नदी जमी, लद्दाख-श्रीनगर में रोड ब्लॉक ● मध्य प्रदेश-राजस्थान में बुरे हाल, ठंड से कांप रहे हैं लोग

नई दिल्ली एजेंसी)। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत 12 राज्यों में शीतलहर चल रही है। राजस्थान के फतेहपुर (सीकर) का पारा -1 में पहुंच गया है। यहां खुले में रखे बर्तनों का पानी जम रहा है। मध्य प्रदेश के भोपाल समेत 28 जिलों में शीतलहर का अलर्ट है। 8 जिलों में टेम्प्रेचर 6 डिग्री के नीचे रिकॉर्ड किया गया है। ठंड के कारण भोपाल-इंदौर में स्कूलों का टाइम बदला गया है। उत्तर प्रदेश में मौसम विभाग ने राज्य के 25 जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। सबसे कम तापमान अयोध्या में 4.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। 9 शहरों में पारा 6 डिग्री से कम है। कश्मीर के बारामूला, कुपवाड़ा, शोपियां, पुलवामा और बांदीपोरा बर्फबारी जारी है। यहां 7 जिलों में पारा माइनस में रिकॉर्ड किया गया। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में नदी जम गई। दक्षिण भारत के तमिलनाडु और कर्नाटक में आज तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के चलते पुडुचेरी के स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है।

भारतीय सेना ने गाड़ा खूंटा तो झुकी चीनी सेना

देपसांग से हटाईं 3 सैन्य चौकियां, 20 किमी पीछे हटी

बीजिंग (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में भारतीय सेना के 50 हजार सैनिकों की दृढ़ता का नतीजा अब आने लगा है। साल 2020 में गलवान हिंसा के बाद से ही भारतीय सेना के ये वीर जवान भीषण सर्दी में भी चीन की आंख में आंख डालकर खड़े हैं। भारतीय सेना के इस साहस का नतीजा आने लगा है और चीन को देपसांग सेक्टर में अपने सैनिकों को हटाना पड़ा है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि भारत और चीन में समझौते के बाद देपसांग सेक्टर के वाई जंक्शन में चीन की सेना ने अपनी 3 चौकियों को नष्ट कर दिया है। चीनी सेना करीब 20 किमी पीछे हटी है। इससे भारतीय सैनिकों ने अब आसानी से इस इलाके में गश्त लगाना शुरू कर दिया है। चीन ने अब अपनी इन सैन्य चौकियों को दूसरी जगह पर स्थापित किया है। इससे पहले चीन ने भारतीय सैनिकों को इस इलाके में गश्त लगाने से रोक दिया था और सैन्य ढांचे को मजबूत किया था। चीन ने जिन नई सैन्य चौकियों को बनाया है, वह विवादित इलाके से दूर हैं। यही नहीं पीएलए की ये सैन्य चौकियां

अल्पकालिक प्रकृति की हैं। चीनी सेना पहले की स्थिति से करीब 20 किमी पीछे गई है। ताजा सैटलाइट तस्वीरें अक्टूबर महीने में ली गई हैं। इन तस्वीरों से साफ हो गया है कि चीन ने अपनी सेना को पीछे किया है। इससे पहले 21 अक्टूबर को भारत और चीन के बीच देमचोक और देपसांग के मैदानी इलाकों में गश्त के लिए समझौता हुआ था ताकि एलएसी पर तनाव को कम किया जा सके। इस समझौते के बाद देपसांग में गश्त हो गई है। यह इलाका वैसे ज्यादा चैलेंजिंग माना जाता था। ताजा समझौते के मुताबिक अब दोनों सेनाओं के बीच गश्त अब अप्रैल 2020 के पूर्व की स्थिति के मुताबिक होना चाहिए। इससे यह संकेत मिलता है कि इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाके में हालात सामान्य होने की ओर बढ़ रहे हैं। भारतीय सेना के अधिकारी पहले ही पेट्रोल प्वाइंट 10 से 13 तक जा चुके हैं और उन्होंने खुद से चीन के सैनिकों को हटाने को वेरिफाई किया है। इस गश्त के शुरू होने के बाद अब चरवाहों को भी अपनी भेड़ें चराने की अनुमति मिल सकती है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 14 दिसंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मुख्यमंत्री यादव ने पूर्व आईएएस राव के निधन पर शोक व्यक्त किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व आई.ए.एस अधिकारी श्री एस.एन. राव के अवसान पर शोक व्यक्त किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 1958 बैच के श्री राव लंबे समय से बीमार थे। भोपाल में 12 दिसंबर को एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोक संतप्त परिजन के साथ अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं। उन्होंने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री राव इस समय देश के भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठतम सेवानिवृत्त अधिकारियों में से एक थे। प्रदेश को दी गई सेवाओं के लिए श्री राव को सदैव याद किया जाएगा।

राहुल गांधी को गुल्लक देने वाले कारोबारी का सुसाइड, पत्नी फंदे से लटकी मिली

पिछले दिनों घर पर पड़ी थी ईडी की रेड

सीहोर (नप्र)। सीहोर जिले के आष्टा में कारोबारी मनोज परमार और उनकी पत्नी नेमा परमार का शव शुक्रवार सुबह घर में फंदे पर लटका मिला है। एसडीओपी आकाश अमलकर ने इसकी पुष्टि की है। 5 दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके घर-दफ्तर पर रेड की थी। इसके बाद से वे परेशान थे।

मौके पर टीआई रविंद्र यादव पहुंचे। घटनास्थल पर सुसाइड नोट भी मिला है। वहीं घटना को लेकर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने एक्स हैंडल पर ईडी द्वारा परमार को परेशान करने का आरोप लगाया है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान व्यापारी के बच्चों ने राहुल गांधी को गुल्लक भेंट की थी।

परिजन ने ईडी का मानसिक दबाव होने का लगाया आरोप

मृतक मनोज के बड़े बेटे जतिन परमार ने कहा, ईडी वालों ने मानसिक तौर पर प्रेशर बनाया था। इस कारण माता-पिता ने सुसाइड किया है। वहीं, मनोज के भाई राजेश परमार ने बताया कि मनोज पर ईडी का मानसिक दबाव था। इससे पहले भी कार्रवाई हुई, इससे वह परेशान हो चुका था।

जीतू पटवारी पहुंचे आष्टा, परिजनों से की चर्चा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पहुंचे आष्टा मृतक पति पत्नी के पुत्र जतिन परमार और भाई राजेश परमार से की चर्चा। कारोबारी के बेटे जतिन परमार ने ईडी पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और भाजपा ज्वाइन करने के आरोप लगाए है।

सामने आया 6 पन्नों का सुसाइड नोट, प्रधानमंत्री सहित 17 लोगों को भेजा

खुदकुशी करने से पहले व्यापारी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, चीफ जस्टिस, संसद में नेता प्रतिपक्ष सहित 17 लोगों के नाम 6 पेज का सुसाइड नोट छोड़ गया है। इसमें 6 बिंदुओं में उसने पूरा घटनाक्रम लिखा है, जिसकी वजह से उसे खुदकुशी करने पर मजबूर होना पड़ा। सुसाइड नोट में जांच एजेंसी के अधिकारी द्वारा दबाव बनाकर भाजपा में शामिल होने की बात लिखी गई है।

मनोज परमार | नेहा परमार

पोस्टमार्टम करने सीहोर से पहुंचे डॉक्टर

इधर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सीहोर से चिकित्सकों की टीम पोस्टमार्टम के लिए आष्टा पहुंची। आष्टा के डॉक्टर की टीम भी पोस्टमार्टम किया। जानकारी के अनुसार आष्टा के शांति नगर निवासी मनोज परमार एवं पत्नी नेमा परमार ने फांसी लगाकर अपने निवास पर आत्महत्या कर ली है। कुछ दिनों पूर्व यहां ईडी की रेड पड़ी थी। एसडीओपी आकाश अमलकर का कहना है कि घटना का कारण अज्ञात है।

ईडी की टीम ने कई दस्तावेज जब्त किए थे

फर्जी दस्तावेज लगाकर सरकारी योजना में ऋण लेकर घोटाला करने के मामले में इडी (प्रर्वतन निदेशालय) ने आष्टा के कारोबारी मनोज परमार के शांति नगर स्थित घर पांच दिसंबर को छापामार कार्रवाई की थी। ईडी की टीम ने परमार के यहां से दस्तावेज सहित अन्य सामान जब्त किए थे और उसके सहयोगियों के ठिकानों पर भी कार्रवाई की थी।

6 करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला

जानकारी के अनुसार साल 2017 में प्रधानमंत्री स्वरोजगार सृजन कार्यक्रम व मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत सर्विस सेंटर, रेडिमेड कपड़े की फैक्ट्री के नाम पर बैंक से ऋण लेकर करीब 6 करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला किया था। आरोपितों ने षड्यंत्र पूर्वक 6 महीने के अंदर 18 लोन लिए। इसमें फर्जी दस्तावेज का उपयोग किया गया था। इसमें परमार का नाम भी शामिल था।

कार्रवाई करने पहुंची टीम ने चार ठिकानों पर मारा था छापा– बताया जाता है कि इडी की टीम ने परमार के आष्टा स्थित मकान के अलावा उसके इंदौर में चार जगह के ठिकानों पर कार्रवाई कर दस्तावेज सहित अन्य सामान जब्त किए थे। उसके करीबी के यहां से भी दस्तावेज जब्त करने की बात सामने आई थी।

परमार की हुई थी 6 करोड़ रुपये के फ्राड में गिरफ्तारी

अभी तक यह खुलासा नहीं किया गया है कि कौन-कौन सी चल-अचल संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए हैं और उनकी कीमत क्या है? ईडी के भोपाल जोनल कार्यालय के अनुसार, कार्रवाई द प्रोविजंस ऑफ प्रीवेंशन आफ मनी लान्ड्रिंग एक्ट 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की गई थी। मामला पंजाब नेशनल बैंक में 6 करोड़ के फ्राड से जुड़ा है। इसमें परमार की गिरफ्तारी भी की गई थी। बीजेपी के प्रवक्ता सलूजा ने सोशल मीडिया एक्स पर यह लिखा था-ईडी की कार्रवाई के बाद बीजेपी के प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा था, ये वही उद्योगपति मनोज परमार है, जो रात दिन भाजपा को कोसता है, जिसने बच्चों की एक 'गुल्लक टीम' बनाई हुई है। ये गुल्लक टीम राहुल गांधी से लेकर कमल नाथ जी, पवन खेड़ा, भूपेश बघेल, हिमाचल के मुख्यमंत्री और अन्य बड़े कांग्रेस के नेताओ को समय-समय पर पैसों की गुल्लक भेंट करती है। सलूजा ने आगे लिखा था- राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी ये टीम राहुल गांधी को गुल्लक भेंट करने पहुंची थी। खुद राहुल गांधी ने इसको ट्वीट किया था। ये गुल्लक टीम कांग्रेस का प्रचार करती है, दिनभर सोशल मीडिया पर भाजपा को कोसती है। मनोज परमार रात दिन अपनी इस गुल्लक टीम को प्रमोट करता है। इस गुल्लक टीम की आड़ में भ्रष्टाचार की कमाई का कैसा खेल खेला जा रहा था, यह आज पता चला है।

छिंदवाड़ा में भाजपा के सीनियर नेता ने सुसाइड किया

पूर्व नपाध्यक्ष ने कमरा बंद कर खुद को गोली मारी; दरवाजा तोड़कर निकाला शव

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा में भाजपा नेता और पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष कन्हई राम रघुवंशी ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। घटना शुक्रवार सुबह 10.30 बजे की है। रघुवंशी श्री गणेश कॉलोनी स्थित अपने बंगले पर थे। उन्होंने ऊपर वाले कमरे का दरवाजा बंद कर 12 बोर की राइफल से गोली मार ली। घटना के वक्त परिजन नीचे थे। कमरे का दरवाजा तोड़कर शव निकाला गया है।

कन्हई राम रघुवंशी, भाजपा नेता

कमरे में मिला सुसाइड नोट– एडिशनल एसपी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। पुलिस और एफएसएल टीम ने कमरे से डॉक्टर के पर्चे पर लिखा सुसाइड नोट जब्त किया है। इसमें उन्होंने लिखा कि मेरी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। मैं खुद की इच्छा से आत्महत्या कर रहा हूं।

विधानसभा चुनाव में बनाया था जिला संयोजक

कन्हई राम रघुवंशी को एमपी विधानसभा चुनाव में जिला संयोजक की कमान सौंपी गई थी। अनुभवी नेताओं में शुमार कन्हई राम 10 साल तक नगर पालिका अध्यक्ष रहे। ऐसा माना जाता है कि उनकी निर्विवाद छवि के कारण वह पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की पहली पसंद थे। कन्हई राम को विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र तोमर का करीबी माना जाता है।

घर के बाहर कार्यकर्ता की भीड़

भाजपा नेता के सुसाइड की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर भाजपा नेताओं के साथ कार्यकर्ता और जान-पहचान वाले भी पहुंचे। घर के बाहर लोगों की भीड़ लग गई।

बड़े पदों पर रहे चुके हैं कन्हई राम रघुवंशी

कन्हई राम रघुवंशी भाजपा कई छोटे-बड़े पदों पर रह चुके थे। उन्होंने सरपंच पद से राजनीतिक करियर की शुरुआत की। दो बार से अधिक भाजपा के जिला अध्यक्ष और दो बार नगर पालिका छिंदवाड़ा के अध्यक्ष रह चुके थे। अभी भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य थे।

कन्हई राम के दो बेटे और दो बेटियां

कन्हई राम रघुवंशी के दो बेटे बेटियां है। कन्हईराम रघुवंशी के चारों बच्चों का विवाह हो चुका हैं। बेटियों का विवाह जिले से बाहर हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

'पुष्पा' पहले गिरफ्तार, फिर जेल बाद में जमानत

ऐक्टर अल्लू अर्जुन की फिल्म जैसी ही रही शुक्रवार की कहानी

हैदराबाद (एजेंसी)। अल्लू अर्जुन को गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद ही जमानत मिल गई है। हैदारबाद की नामपल्ली कोर्ट ने एक्टर को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। एक्टर ने लोअर कोर्ट के इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी। तेलंगाना हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद कहा कि एक्टर को स्वतंत्रता का

अधिकार है। वह एक्टर हैं, सिर्फ इसलिए उनके साथ ऐसा नहीं किया जा सकता। अल्लू अर्जुन ने हाई कोर्ट में दायर याचिका में कहा कि संध्या थिएटर में जो भगदड़ हुई, उसके लिए वह जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने दो दिन पहले ही पुलिस को अपने आने की जानकारी दे दी थी। याचिका में एक्टर ने यह भी कहा है कि उन्होंने थिएटर मैनेजमेंट से अतिरिक्त सुरक्षा भी मांगी थी, पर पुलिस ने मुहैया नहीं करवाई। तेलंगाना हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान अल्लू अर्जुन के वकील ने कहा था कि पुलिस ने जो निर्देश दिए, उनमें कहीं ऐसा कुछ नहीं लिखा था कि एक्टर के आने से किसी की जान जा सकती है। उन्हें पता था कि थिएटर जाने से कोई अप्रिय घटना हो सकती है।

शिक्षक भर्ती घोटाले में पार्थ चटर्जी की जमानत मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में राज्य के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी की जमानत मंजूर कर ली, लेकिन कुछ शर्तें भी लगाई हैं। अदालत ने ट्रायल कोर्ट को विंटर वेकेशन या 31 दिसंबर 2024, जो भी पहले हो, आरोप तय करने का फैसला करने का निर्देश दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा, चटर्जी को 1 फरवरी

2025 को रिहा किया जाएगा, बशर्ते कि ट्रायल कोर्ट विंटर वेकेशन से पहले उन पर आरोप तय करे। साथ ही जनवरी 2025 के दूसरे और तीसरे हफ्ते तक कमजोर गवाहों की बयान रिकॉर्ड करे। कोर्ट ने कहा कि यह काम पूरा होने के बाद ही पार्थ चटर्जी को जमानत पर रिहा किया जाएगा। साथ ही यह भी साफ कर दिया कि पार्थ चटर्जी को 1 फरवरी से आगे हिरासत में नहीं रखा जा सकता। बेंच ने यह भी निर्देश दिया कि रिहाई के बाद चटर्जी कोई सार्वजनिक पद नहीं संभालेंगे, लेकिन विधायक के रूप में काम कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में चुनावी झटके से हिल गई एमवीए की नींव!

संजय राउत ने आने वाले चुनावों पर दिया बड़ा बयान

कांग्रेस भी नाराज, बोली-वो चाहे जो करें, उनकी मर्जी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी यानी एमवीए ने महायुति को पटखनी देने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी। वहीं जब नतीजे आए महायुति की एक प्रचंड जीत हुई और एमवीए के तीनों में से किसी घटक दल को 20 से ज्यादा सीटें तक न मिली। इस करारी हार के बाद अब एमवीए में काफी टकराव देखने को मिल रहा है। ऐसे में शिवसेना यूबीटी ने कुछ महीनों में होने वाले बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने के संकेत दिए हैं। महाविकास अघाड़ी गठबंधन के नेताओं ने जो बयान दिए हैं, उसके बाद से सवाल ये उठ रहा है कि क्या एमवीए गठबंधन टूट सकता है। हाल ही में बीएमसी चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया और कहा कि ये चुनाव अकेले ही लड़ा जाना चाहिए। हालांकि राउत ने ये भी कहा कि अभी पार्टी ने इस चुनाव को लेकर कोई नीति नहीं बनाई है। सांसद संजय राउत ने कहा कि एमवीए के सहयोगियों ने साथ मिलकर लड़ने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है।

जादू-टोने के शक में पड़ोसी की गर्दन काटी

खंडवा में आरोपी ने घात लगाकर की हत्या पुलिस पहुंची तो लाश के पास बैठा मिला

खंडवा (नप्र)। खंडवा में एक युवक ने जादू-टोने के शक में पड़ोसी की हत्या कर दी। आरोपी ने घात लगाकर कुल्हाड़ी से हमला किया और गर्दन काट दी। उसकी पत्नी को गालियां भी दी। सूचना मिलने पर पुलिस जब वहां पहुंची तो आरोपी लाश के पास ही बैठा मिला। उसे गिरफ्तार कर लिया है। उस पर हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है।

घटना गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात 2 बजे की है। बोरगांव चौकी क्षेत्र के छनेरा के रहने वाले रामनाथ (53) पिता पूरन धानक रात में पेशाब करने के लिए बाहर निकला। इसी दौरान नंदू (22) पिता जालम धानक ने कुल्हाड़ी से गर्दन काटकर अलग कर दी।

नंदू धानक, आरोपी

पुलिस को कुल्हाड़ी दिखाकर डराया– पुलिस ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी लाश के सामने बैठा था। उसके हाथ में कुल्हाड़ी थी, वह उसके पास आने वाले लोगों को धमका रहा था। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। रात 4 बजे पुलिस वहां पहुंची तो आरोपी ने पुलिसकर्मियों को भी डराया। काफी मशक्कत के बाद उसके हाथ से कुल्हाड़ी छीनी और हिरासत में लिया।

परिवार पर जादू-टोने करने का था शक– पुलिस ने बताया कि आरोपी नंदू पीथमपुर में एक फैक्ट्री में काम करता है। दो दिन पहले ही पीथमपुर से गांव आया था। उसे शक था कि पड़ोसी रामनाथ जादू-टोना करता है। उसके परिवार को किसी भी काम में सफलता नहीं मिल रही थी। आरोपी को पता था कि मृतक रात में पेशाब के लिए बाहर निकलेगा। वह कुल्हाड़ी लेकर घर के बाहर बैठा रहा, जैसे ही रात में पेशाब के लिए पड़ोसी बाहर निकला, उसने हमला कर दिया।

अखिलेश से बगावत के मूड में हैं आजम खान

जेल से चिट्ठी लिखकर सपा से जताई नाराजगी

ओवैसी-चंद्रशेखर के साथ नए गठजोड़ की तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और कद्दावर नेता मोहम्मद आजम खान पार्टी से बगावत की तैयारी कर रहे हैं। इसके पीछे 10 दिसंबर को सीतापुर जेल से लिखी उनकी चिट्ठी मानी जा रही है। इसमें आजम ने लिखा था- सपा रामपुर में हुए जुर्म और बरबादी का मुद्दा संसद में उतनी ही मजबूती से उठाएं, जितना संभल का उठाया। रामपुर के सफल तजुर्बे के बाद ही संभल पर आक्रमण हुआ। इस पर इंडी गठबंधन खामोश रहा। ऐसा ही रहा तो मुसलमानों के भविष्य के बारे में हम लोगों को सोचना पड़ेगा। वहीं, 21 नवंबर को आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर की सीतापुर जेल में आजम खान से हुई मुलाकात ने भी सुगबुगाहट बढ़ा दी है। इसके अलावा जल्द ही एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भी आजम खान से जेल में मुलाकात करेंगे।

जज शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग का नोटिस

राज्यसभा में 55 सांसदों ने किए हस्ताक्षर, कहा था-कठमुल्ले घातक

प्रयागराज/नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव के खिलाफ राज्यसभा में महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस दिया है। प्रस्ताव पर 55 राज्यसभा सांसदों के हस्ताक्षर हैं। कपिल सिब्बल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने महाभियोग प्रस्ताव पेश किया। प्रतिनिधिमंडल में सांसद विवेक तन्खा, दिग्विजय सिंह, पी. विल्सन, जॉन ब्रिटास और केटीएस तुलसी शामिल हैं। 8 दिसंबर को प्रयागराज में वीएचपी की लीगल सेल के कार्यक्रम में जस्टिस शेखर यादव ने कहा था- मुझे यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि यह हिंदुस्तान है और यह देश यहां रहने वाले बहुसंख्यकों की इच्छा से चलेगा। यह जो कठमुल्ला हैं, यह सही शब्द नहीं है, लेकिन कहने में परहेज नहीं है, क्योंकि वह देश के लिए बुरा है...घातक है। देश के खिलाफ हैं। जनता को भड़काने वाले लोग हैं।

ये देश उठेगा, ये देश लड़ेगा सत्य मांगेगा, सत्यमेव जयते

प्रियंका गांधी ने अपने पहले भाषण में सरकार को जमकर घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में संविधान पर बहस। लोकसभा में प्रियंका गांधी वाड्रा का पहला भाषण। विपक्ष की तरफ से बहस की शुरुआत। संसद में दिए अपने पहले ही भाषण में वाड्रा महफिल लूट ली गई। विपक्षी सदस्यों ने भाषण के दौरान बार-बार मेजें थपथपाई। प्रियंका ने अपने भाषण में उन्नाव रेप केस का जिक्र किया। संभल हिंसा की बात की। उनके बहाने बीजेपी को घेरा। कहा कि ये देश का संविधान है, संघ का विधान नहीं। जाति जनगणना क्यों जरूरी है, उसके पक्ष में तर्क गिनाई। चुनाव के दौरान पीएम मोदी के 'मंगलसूत्र' वाले बयान पर तंज भी कसा। सरकार पर एक खास व्यक्ति को देश के

संसाधनों को देने का आरोप लगाया। मोदी सरकार की तरफ से विपक्षी नेताओं के कथित दमन का मुद्दा उठाया। कहा कि ये देश भय से नहीं चलेगा, साहस से ही चल सकता है। ये देश 'कायरों के हाथों' में ज्यादा देर तक कभी नहीं रहेगा, ये देश उठेगा, ये देश लड़ेगा। प्रियंका गांधी ने कहा, संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं है बल्कि नेहरू, राजगोपलचारी सबका एक विजन है। उस समय के तमाम नेता इस संविधान को बनाने के लिए सालों के लिए जुटे रहे।

राज्यसभा सभापति धनखड़ और नेता विपक्ष खड़गे में बहस

- धनखड़ बोले-मैंने बहुत बर्दाश्त किया, खड़गे ने कहा-आप सम्मान नहीं करते, मैं क्यों करूं ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में संविधान पर पक्ष-विपक्ष की चर्चा से पहले शुक्रवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, विपक्ष ने सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इसके खिलाफ भाजपा सांसद राधामोहन दास अग्रवाल ने विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। इसी पर हंगामा शुरू हुआ। इस दौरान धनखड़ और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच जमकर बहस हुई। चेयरमैन जगदीप धनखड़ ने कहा, मैंने बहुत सहा। मैं किसान का बेटा हूं, मैं झुकता नहीं हूं। विपक्ष ने संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं। जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, आप हमारी पार्टी के नेताओं का अपमान करते हैं। आपका काम सदन चलाना है। हम यहां आपकी तारीफ सुनने के लिए नहीं आए। आप किसान के बेटे हो तो मैं मजदूर का।

कंट्रोल रूम में महिला ने खाया जहर पेट्रोल से भी आग लगाने का प्रयास

पुलिस कर्मियों ने तत्परता से महिला को आग लगाने से रोका, बोली– पति से परेशान हूं

इंदौर (नप्र)। इंदौर के रीगल स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पहुंची एक महिला ने शुक्रवार दोपहर जहरीला पदार्थ खा लिया। वह साथ में पेट्रोल भी ले गई थी। कुछ देर बाद उसे खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया। तभी यहां मौजूद पुलिसकर्मियों की नजर उस पर पड़ी और उसे रोक लिया। महिला ने बताया कि वह पति की प्रताड़ना से परेशान है। कई शिकायतें कर चुकी हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। छोटी ग्वालटोली थाने के एसआई विजय ने बताया- हीरानगर में रहने वाली प्रिया जायसवाल (35) अपने पति गोलू के मामले में सुनवाई नहीं होने को लेकर रीगल स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पहुंची थी। यहां पर उसने पहले जहरीला पदार्थ खा लिया। इसके बाद उसने आग लगाने का प्रयास किया। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मियों की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने महिला को आग लगाने से रोक लिया। एमवाय अस्पताल भेजा गया। यहां उसकी हालत सामान्य है। महिला ने बताया कि उसके पति के किसी अन्य महिला से सबंध है। जिस वजह से पति उसे प्रताड़ित करता है। वह उसे छोड़ने को लेकर दबाव बना रहा है। इससे पहले वह कई जगह पर शिकायत कर चुकी है। लेकिन, सुनवाई नहीं हो रही है।

आरएसएस का 'घोष वादन' 3 जनवरी को

मोहन भागवत होंगे शामिल; 15 हजार से ज्यादा स्वयंसेवक जुटेंगे, आम नागरिकों को भी निमंत्रण

इंदौर (नप्र)। इंदौर में 3 जनवरी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घोष वादन कार्यक्रम होगा। संघ प्रमुख मोहन भागवत इसमें शामिल होंगे। दशहरा मैदान में होने वाले इस आयोजन में 15 हजार से ज्यादा स्वयं सेवक और आम लोग शामिल होंगे। भागवत इस दौरान संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर स्वयं सेवकों को सेवा, समाज से जुड़ने सहित कई मुद्दों पर संदेश देंगे। इंदौर में इस तरह का यह पहला आयोजन होगा। खास बात यह है कि मालवा प्रांत देशभर में सबसे प्रमुख क्षेत्रों में से एक बन रहा है, जहां संघ लगातार खुद को मजबूत कर रहा है। संघ के इस घोष वादन कार्यक्रम में शामिल होने वाले स्वयं सेवकों का अभ्यास भी शुरू हो गया है।

आयोजन में आम लोग भी शामिल हो सकेंगे, संघ देगा निमंत्रण– इंदौर में संघ इस आयोजन को न केवल संख्या और व्यवस्था संचालन, बल्कि अनुशासन के लिहाज से भी आदर्श बनाने की तैयारी में जुटा है। बताया जा रहा है कि इस आयोजन को देखने के लिए लोग भी जा सकेंगे। इसके लिए संघ घर-घर आमंत्रण भी देगा। इसी महीने से बैठकों का दौर शुरू हो जाएगा। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम में संघ के मालवा प्रांत के चयनित 1000 स्वयंसेवकों का घोष शिविर 31 दिसंबर से शुरू होगा, जो 3 जनवरी 2025 को खत्म होगा। इसी शिविर का प्रकट कार्यक्रम इंदौर के दशहरा मैदान में 3 जनवरी 2025 को होगा। इसमें 1000 स्वयंसेवक घोष की प्रस्तुति सरसंघचालक के समक्ष देंगे। इस कार्यक्रम में इंदौर महानगर के स्वयंसेवक सपरिवार उपस्थित रहेंगे। शहर के शिक्षाविद, उद्योगपति, चिकित्सक, प्रोफेशनल्स, खिलाड़ी, कलाकार, व्यवसायी को आमंत्रित किया जाएगा।

इंदौर में चार दिनी इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्स-पो

देशभर की 300 से ज्यादा एमएसएमई यूनिट के प्रतिनिधि होंगे शामिल

इंदौर (नप्र)। इंदौर में आज से इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग एक्सपो शुरू हो रहा है। चार दिवसीय एक्सपो का उद्घाटन शाम 4 बजे हंसराज सिंह (डीसीपी, जोन-3) करेंगे। उद्यमिता, नए निवेश और नए तकनीकी से भरपूर एक्सपो लाभ गंगा गार्डन बायपास पर होगा। एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्य प्रदेश और फ्यूचर इवेंट्स द्वारा औद्योगिक विकास व यहां के उद्यमियों को एक उन्नत तकनीकी का प्लेटफार्म प्रदान करने के लिए एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। एआईएमपी के अध्यक्ष योगेश मेहता ने बताया कि एक्सपो के माध्यम से औद्योगिकीकरण और व्यवसाय को नई दिशा मिलती है। इसमें देश के बड़े कॉर्पोरेट और एमएसएमई की 300 से ज्यादा यूनिट के प्रतिनिधि शामिल होंगे। फ्यूचर इवेंट्स के अमय गोखले ने बताया कि एक्सपो लघु और मध्यम उद्योगों से जुड़ी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, सप्लायर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, ट्रेडर्स आदि के लिए लाभदायक होगा। इसमें इंदौर सहित एक्सपो में शामिल होने वाले उद्योगपति और निर्माता उद्योग जगत की शीर्ष हस्तियों से सीधे संवाद भी कर सकेंगे। मानद सचिव तरुण व्यास ने कहा कि इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में उद्योगों के लिए काफी अच्छी संभावनाएं हैं। इंदौर औद्योगिक और व्यवसायिक दृष्टि से विकास की ओर निरंतर अग्रसर हो रहा शहर है। यहां कई एक्सपोर्ट यूनिट और बड़ी संख्या में एमएसएमई यूनिट हैं।

मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति शुरू

सांवेर, राऊ और देपालपुर में विधायक समर्थित अध्यक्ष बने

इंदौर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष में विधायकों की चली

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति होना शुरू हो गई हैं। ग्रामीण मंडल अध्यक्षों की सूची जारी कर दी गई हैं। इस सूची में सभी 16 मंडलों के अध्यक्ष नियुक्त कर दिए गए हैं। खास बात यह है कि सभी मंडल अध्यक्ष विधायकों के समर्थक ही बने हैं। महू के सिर्फ एक मंडल अध्यक्ष स्थानीय विधायक का समर्थक नहीं होते हुए राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार के समर्थक को बनाया गया है। बीजेपी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इंदौर महानगर की सूची जारी होने में देर हो रही है क्योंकि नगर के 7 मंडल अध्यक्ष में विधायकों ने पेंच फंसाया हैं। इंदौर में ग्रामीण मंडल अध्यक्षों की सूची जारी कर दी गई हैं। बीजेपी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महू के 5 में से सिर्फ 1 मंडल में स्थानीय विधायक की पसंद को जगह ना देते हुए राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार की पसंद को जगह दी गई है। इसके पीछे की वजह यह है जिसे मंडल का अध्यक्ष बनाया है, वह मंडल उनके पिता के नाम पर ही है। महू के भेरूलाल पाटीदार मंडल का अध्यक्ष मुकेश पाटीदार को बनाया गया है, जो की कविता पाटीदार के समर्थक है। वहीं अन्य मंडलों के अध्यक्ष स्थानीय विधायकों की पसंद से ही बनाए गए हैं। महू के भीमराव आंबेडकर मंडल का अध्यक्ष महेश यादव, केजी माहेश्वरी मंडल का अध्यक्ष पियूष अग्रवाल, टंट्या मामा मंडल का अध्यक्ष रूपेश वाघमोड़े और परशुराम मंडल का अध्यक्ष संजय मीणा को बनाया गया हैं। बीजेपी नेताओं का कहना है कि इंदौर ग्रामीण की सूची तो दबाव-प्रभाव के नामों की ही जारी हुई हैं।

महिला को नहीं बनाया अध्यक्ष

इंदौर ग्रामीण से किसी भी मंडल की अध्यक्ष महिला को नहीं बनाया गया है। यहां पर 100 प्रतिशत मंडल में पुरुषों को जगह दी गई है। बता दें कि संगठन 33 प्रतिशत महिलाओं को अध्यक्ष बनाने की बात कह रहा है। जिसका पालन इस सूची में होता नजर नहीं आया। इंदौर ग्रामीण ही नहीं कई अन्य निकाय में भी महिला अध्यक्ष नहीं मिली। केवल नीमच जिले में पूजा शर्मा को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। बाकी जिलों में पुरुषों को ही प्राथमिकता दी गई। अब इंदौर शहर में में कितनी महिला अध्यक्ष बनाई जाती है यह देखने वाली बात होगी।

मंडल	विधानसभा	अध्यक्ष
प्रकाश सोनकर मंडल (सांवेर)	सांवेर	तुफान सिंह
अहिल्या मंडल (पालिया)	सांवेर	शिवपाल चावड़ा
क्षिप्रा मंडल (क्षिप्रा)	सांवेर	रवि वाजपेयी
नर्मदा मंडल (खुडैल)	सांवेर	विष्णू चौधरी
चौविस अवतार मंडल (देपालपुर)	देपालपुर	देवकरण दरबार
धन्नालाल पटेल मंडल (गोतमपुरा)	देपालपुर	राजू जाट
गुरूनानक मंडल (बेटमा)	देपालपुर	सोहन सिंह चौहान
महाराजा यशवंत मंडल (हातोद)	देपालपुर	सुनिल जाधव
राऊ नगर मंडल	राऊ	सुरेंद्र मंडले
राऊ ग्रामीण मंडल	राऊ	रवि चौधरी
कैलाश पाटीदार मंडल	राऊ	मुरली व्यास

कई विधानसभाओं में आई परेशानी

बताया जा रहा है कि एक नंबर विधानसभा में सभी मंडल अध्यक्ष बदले जा रहे हैं। कुछ पुराने अध्यक्षों ने पद पर बने रहने की इच्छा जताई थी, लेकिन संगठन ने नामंजूर कर दिया। दो नंबर के एक मंडल में कल रायशुमारी के पहले घमासान हुआ। एक नाम के विरोध के चलते शिकवा-शिकायतें होती रहीं। तीन नंबर में भी एक दो नाम रिपीट हो सकते हैं और दो मंडल में नए नाम आ सकते हैं। चार नंबर में पूर्व मंडल अध्यक्ष सचिन जैसवानी ने रायशुमारी में नहीं बुलाने की शिकायत की। जैसवानी और गौड़ परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा है। पांच नंबर में सभी के बदलने के आसार हैं तो राऊ में भी लगभग यही स्थिति है। इंदौर नगर की सूची आज जारी होने की संभावना है।

संगठन के बजाय विधायकों ने मारी बाजी

क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल पहले भी संगठन चुनाव को लेकर बैठक ले चुके हैं। उन्होंने कहा था कि चुनाव संगठन के तरीके और प्रक्रिया से होंगे, केवल विधायकों के कहने से मंडल अध्यक्ष नहीं बनाए जाएंगे। इसके लिए पूरी प्रक्रिया और रायशुमारी की जाएगी। इसी के तहत प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत पूरी प्रक्रिया में बारीक नजर रखे हुए थे। वे खुद दो दिन से इंदौर में हैं। उन्होंने ही रायशुमारी की पर्चियां ली थी लेकिन इंदौर ग्रामीण की जो लिस्ट सामने आई है, उसमें कही भी ऐसा नजर नहीं आ रहा है कि अध्यक्ष बनाने में संगठन की चली हो। लिस्ट में विधायक ही हावी नजर आ रहे हैं।

डॉ. वीपी पांडे बने एमजीएम कॉलेज के डीन

जूनियर को चार्ज देने पर कोर्ट में की थी अपील; आदेश के बाद पदभार संभाला

इंदौर (नप्र)। वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. वीपी पांडे अब एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन बन गए हैं। हाई कोर्ट के आदेश के बाद उन्होंने शुक्रवार को डीन का पदभार भी ग्रहण कर लिया हैं। दरअसल 30 नवम्बर को पूर्व डीन डॉ. संजय दीक्षित रिटायर हुए थे। इस पर उन्होंने चार्ज एमवाय अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. अशोक यादव को चार्ज सौंपा था। इस पर डॉ. पांडे ने हाई कोर्ट में अपील की थी। उसमें हवाला दिया गया कि वे सीनियर है, उनसे 15 साल जूनियर को कैसे चार्ज दिया गया। दरअसल राजधानी सहित प्रदेश के 18 मेडिकल कॉलेजों में डीन की सीधी भर्ती को लेकर चल रहे विवाद में हाल ही में हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने 10 दिसम्बर को फैसला सुनाया था। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला ने स्पष्ट किया कि किसी सीनियर प्रोफेसर को जूनियर के अधीन काम करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इसमें दो दिन पहले हुई सुनवाई में हाई कोर्ट ने वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. वेद प्रकाश पांडे को एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इंदौर का डीन नियुक्त करने का आदेश दिया था। पांडे की इंदौर में डीन के पद पर सीधी भर्ती से नियुक्ति को चुनौती देने वाली यह याचिका लगी हुई है। इसमें जस्टिस शुक्ला ने सरकार से स्पष्टीकरण मांगा कि डॉ. पांडे से जूनियर डॉ. अशोक यादव को किस आधार पर डीन का प्रभार सौंपा गया। कोर्ट ने यह पाया कि सरकार ने कोई तथ्य या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए हैं।

अन्य मेडिकल कॉलेजों की सुनवाई 7 जनवरी को

सरकार के वकील ने तर्क दिया कि प्रोफेसर की गोपनीय रिपोर्ट डीन नहीं बल्कि कमिश्नर व संचालक लिखते हैं। हालांकि इस दावे के समर्थन में कोई दस्तावेज पेश नहीं किए जा सके। कोर्ट ने राज्य सरकार से इस मामले में विस्तृत जवाब 7 जनवरी तक मांगे हैं। अन्य मेडिकल कॉलेजों में डीन की सीधी भर्ती के मामलों की सुनवाई भी इसी दिन निर्धारित की गई हैं।

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में पहले सरस्वती पूजन, फिर काम शुरू होंगे

कुलगुरू भी रोजाना पूजन में शामिल होंगे; इंजीनियरिंग सेक्शन हेड पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

इंदौर (नप्र)। इंदौर के देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में अब रोजाना सरस्वती पूजन होगा। पूजन के बाद ही अधिकारी-कर्मचारी काम शुरू करेंगे। रोजाना सरस्वती पूजन को लेकर बकायदा यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने आदेश भी जारी किया है। विश्वविद्यालय प्रबंधन के मुताबिक, यूनिवर्सिटी के नालंदा परिसर में रोजाना सुबह सरस्वती पूजना होगा। परिसर में रोजाना पूजन का सिलसिला सोमवार से शुरू किया जाएगा। जिसमें अनिवार्य रूप से सभी को शामिल होना है। कुलगुरू भी रोजाना इस पूजन में शामिल होंगे। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी प्रबंधन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि कुलगुरू के द्वारा कार्यस्थल पर कार्यों की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ करने संबंधी नवीन पहल आरंभ की जा रही है। इस हेतु कुलगुरू द्वारा प्रतिदिन प्रातः 10.25 पर नालंदा परिसर में स्थित बगीचे (लेखा विभाग के सामने) में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया जाएगा। समस्त अधिकारी और कर्मचारी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। आदेश 12 दिसंबर देर शाम जारी किया गया है।

आईएमएस पर लग रहे भ्रष्टाचार के आरोप– यूनिवर्सिटी के आइएमएस विभाग के ऑडिटोरियम के रिनोवेशन को लेकर अब भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे है। यह आरोप इंदौर के संवाद क्रांति संस्था ने लगाए है। संस्था ने इस पूरे मामले की कुलपति से शिकायत की है। 32 वर्ष पुराने विश्वविद्यालय के विभाग आईएमएस के भवन में स्थित सभागृह के नवीनीकरण के नाम पर करीब ढाई से तीन करोड़ रुपए खर्च करने की योजना को मंजूरी दे दी गई है। इससे पहले छात्रों ने आईएमएस के गिरते छज्जों की शिकायत की तो छज्जों पर इंजीनियरिंग विभाग ने रेलिंग लगाने का काम शुरू कर दिया। बिना टैंडर सवा छह लाख के लोहे की रेलिंग लगा दी गई। इसे संस्थान ने आपत्ति लेते हुए रोक दिया।

इंदौर में युवती को दोस्त ने दी सुसाइड की धमकी

शादी से इनकार करने पर रास्ता रोक धमकाया; मामला दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर की बाणगंगा पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर उसके दोस्त के खिलाफ छेड़छाड़ और झूठे केस में फंसाने की धमकी देने के मामले में केस दर्ज किया है। पीड़िता के मुताबिक वह अपने दोस्त से 6 माह से बात नही कर रही है। इसलिए वह सुसाइड और फोटो वायरल करने को लेकर उसे धमका रहा है। पुलिस ने मामले में आरोपी पर कार्रवाई की है। बाणगंगा पुलिस ने 18 साल की युवती की शिकायत पर अमन मीणा पर केस दर्ज किया है। युवती ने शिकायत में बताया कि अमन उसकी गली में रहता है। इस वजह से उसकी जान पहचान है। साल 2021 में पहचान होने के बाद दोनों की बातचीत हुई। लेकिन सामान्य बातचीत को अमन ने प्यार समझा। इसके कुछ दिन बाद वह शादी करने की बात करने लगा। तब युवती ने शादी की बात से इनकार कर दिया। दबाव बढ़ने पर उसने युवक से बातचीत करना बंद कर दी। इसके बाद आरोपी ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया।

शादी न करने पर दी फोटो वायरल करने की धमकी

आरोपी युवक ने युवती को शादी की बात न मानने पर उसके फोटो वायरल करने की धमकी दी। युवती ने इस दौरान उसे समझाने का प्रयास किया। लेकिन, वह नहीं माना। इस दौरान आरोपी अमन ने थाने में शिकायत करने की बात पर हाथ की नश काट कर सुसाइड करने और सुसाइड नोट में युवती का नाम लिखने की धमकी दी। कल यानी गुरुवार को युवती जब घर से काम के लिए निकली इस दौरान आरोपी युवक ने उसका पीछा करते हुए बात करने का दबाव बनाया। युवती के मना करने पर अपशब्दों कहे। इस दौरान आरोपी युवक ने धमकी देते हुए कहा कि वह जिस जगह भी शादी करेगी उस लड़के तक उसके फोटो पहुंचाएगा। टना के बाद युवती ने घर पहुंच कर मां को पूरी जानकारी दी।

इंदौर में नशे के खिलाफ आगे आए शहरकाजी

इमामों की ली बैठक, बोले– माता–पिता अपने बच्चों की तालिम और सोहबत का रखें ख्याल

इंदौर (नप्र)। इंदौर में नशे के खिलाफ शहर काजी डॉ. इशरत अली भी उतर चुके हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे कह रहे हैं कि 'आप मुझे नशा बेचने वालों के नाम बताओ, मैं उनके टांगे तोड़ दूंगा।' उनका कहना है कि अगर सभी मिलकर कोशिश करेंगे, तो इंदौर को नशा मुक्त बनाया जा सकता है। इस मामले में मीडिया ने शहर काजी डॉ. इशरत अली से खास चर्चा की। उन्होंने कहा कि शुरू से इंदौर में नशा बिक रहा है, लेकिन पिछले कुछ समय से ड्रग्स बिकने लगी है। ड्रग्स वालों के खिलाफ पुलिस और शासन भी सक्रिय हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी नशे के खिलाफ काम कर रहे हैं। मुस्लिम समाज की तरफ से यह सुनने में आ रहा था कि लाखों में ड्रग्स बिक रही है।

खजराना में एक स्कूल के कार्यक्रम में वह मौजूद थे, जहां उन्होंने लोगों से अपील की थी कि जो भी नशा बेचने वाले लोग हैं, उनकी जानकारी दें, क्योंकि समाज को सुधारना है और बुराईयों को खत्म करना है। हद तो यह हो गई है कि खजराना में महिलाएं भी नशा बेच रही हैं।

15 दिन पहले इमामों की मीटिंग ली

शहर काजी डॉ. इशरत अली ने बताया कि 15 दिन पहले उन्होंने शहर के तमाम मस्जिदों के इमामों के साथ एक मीटिंग की थी। इसमें उन्होंने गुजारिश की थी कि अपने इलाके में नशा बेचने वालों के बारे में जानकारी दें। इसके साथ ही, जो नाबालिग बच्चे नशे के आदि हो गए हैं, उन्हें नशा मुक्ति केंद्र भेजने की अपील की थी, ताकि उनकी जिंदगी को सही दिशा में लाया जा सके।

यह एक मुहिम है, जो एक दिन में खत्म नहीं हो सकती

उन्होंने कहा कि हर काम के लिए पुलिस को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जब कोई व्यक्ति नशा कर रहा है, तो इसका मतलब है कि नशा बिक रहा है। नशा बेचने वालों की जानकारी हम पुलिस को देते हैं और अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती, तो पुलिस दोषी होगी। यह एक मुहिम है, जो एक दिन में खत्म नहीं हो सकती। शासन, पुलिस, प्रशासन और समाज के हर तबके को इसमें जुड़कर काम करना होगा, तभी इंदौर को नशा मुक्त बनाया जा सकेगा।

माता–पिता को दिया संदेश

शहर काजी ने नशे के बारे में माता-पिता को भी एक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों की तालीम, तरबियत और संगत का ध्यान रखें। यह जाने कि उनका बच्चा कहां जा रहा है और क्या कर रहा है। नशा तो नहीं कर रहा है, और वह गलत संगत में तो नहीं है। अगर माता-पिता अपने बच्चों को सही दिशा में रखें, तो समाज में सुधार आ सकता है।

संपादकीय

डी.गुकेश : देश का नया शतरंज गौरव

देश के युवा शतरंज सितारे दम्माराजू गुकेश ने मात्र 17 वर्ष की आयु में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप जीतकर न सिर्फ भारत, गृह राज्य तमिलनाडु को गौरवान्वित किया है, बल्कि सबसे कम उम्र में शतरंज चैम्पियन बनने का गैरी कास्पोरोव का चालीस साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। गुकेश की चमत्कृत कर देने वाली इस कामयाबी के पीछे असाधारण प्रतिभा के साथ-साथ, जीतने का जुनून और उसे हासिल करने के लिए की गई भगीरथ तपस्या भी है। गुकेश भारत के पहले और पांच बार के विश्व शतरंज चैम्पियन रहे विश्वनाथन आनंद के शिष्य हैं। आनंद ये यह उपलब्धि उम्र के 31वें वर्ष में हासिल की थी। गुकेश की महान जीत के बाद आनंद ने गुकेश के साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर की और पोस्ट करते हुए लिखा 'वह लड़का जो बादशाह बनेगा।' वही हुआ भी, क्योंकि पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं। गुरुवार को सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 14वें और अंतिम दौर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। डिंग और डी गुकेश के बीच शतरंज की यह बाजी 6.5 अंकों के साथ शुरुआत हुई थी। यह गेम 14 टाई-ब्रेकर में प्रवेश कर रहा था, लेकिन चीनी ग्रैंडमास्टर ने अपनी 55वीं चाल में गलती कर दी। गुकेश ने लिरेन की गलती का फायदा उठाते हुए लिरेन को 7-5-6-5 से हराकर विश्व खिताब अपने नाम किया। इसके पूर्व गुकेश ने इसी साल शतरंज के कई और खिताब जैसे कि कैंडिडेट्स 2024 टूर्नामेंट और शतरंज ओलंपियाड भी अपने नाम किए हैं। 17 साल की छोटी सी उम्र में गुकेश के खाते में कई कामयाबियां दर्ज हैं, जिनके जरिए गुकेश ने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को चौंकाया है। चेन्नई में रहने वाले और मूलरूप से तेलुगू भाषी गुकेश 12 साल, सात महीने, 17 दिन की उम्र में भारत के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बन गए थे। गुकेश की सफलताओं की इस श्रृंखला के पीछे उनकी अथक मेहनत और संकल्पशक्ति है। अन्य शतरंज खिलाड़ियों की तरह वो तकनीकी इंजनों से दूर रहे और विश्व चैम्पियनशिप के लिए अपनी तैयारी करते कंप्यूटर का कम से कम इस्तेमाल किया। गुकेश को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने वाले विष्णु प्रसन्ना खुद भी स्वीकार करते हैं कि यह एक जोखिम भरा कदम था। लेकिन यह प्रयोग कामयाब रहा। विष्णु के अनुसार गुकेश अपने खेल के प्रति बेहद जुनूनी हैं। गुकेश ने पिछले साल हुई शतरंज विश्व कप 2023 में भी भाग लिया था। तब वह मैग्नस कार्लसन से हारने से पहले क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। इस महान कामयाबी के बाद गुकेश पर धन वर्षा होनी अपेक्षित ही थी। विश्व शतरंज चैम्पियन के रूप में गुकेश को कुल मिलाकर पुरस्कार राशि के रूप में 13.50 लाख अमेरिकी डॉलर (यानी 11.45 करोड़ रु.) मिले। जबकि डिंग को 11.50 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग रु. 9.75 करोड़) पुरस्कार के रूप में मिले। मैच की कुल प्राइज मनी 20.5 लाख अमेरिकी डॉलर रखी गई थी। गुकेश की इस महान सफलता से प्रसन्न तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने. गुकेश को 5 करोड़ रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। गौरतलब है कि विश्व शतरंज स्पर्द्धा का आयोजन फ्रांस की एफआईडीई (फेदरास्यो इंटरनेशनल द एचेस) हर साल करती है। यही संस्था चेस ओलम्पियाड की आयोजित करती है। इस साल विश्व शतरंज चैम्पियनशिप का यह मैच प्रतियोगिता के 138 वर्षों के इतिहास में पहला ऐसा मैच था जिसमें एशिया के ही दो प्रतियोगी आमने-सामने थे। 1886 से अब तक केवल 17 खिलाड़ियों ने विश्व शतरंज चैंपियन का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया है। गुकेश 18वें विश्व शतरंज चैंपियन हैं।

नजरिया

डॉ. आर.के. सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति

सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों एक याचिका दाखिल कर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग की गई है। यह बिल्कुल ठीक ही है कि ऐसा करने से देश की एक बड़ी आबादी को सस्ती और असरदार स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। साथ ही, पारंपरिक चिकित्सा को भी पर्याप्त बढ़ावा मिलेगा और वे पहले की भाँति फिर से लोकप्रिय हो सकेंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ, जैसे आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी इत्यादि, गरीब जनता के लिए कई मायनों में वरदान रही हैं और सरकारी संरक्षण प्राप्त होने पर और भी लोकप्रिय साबित हो सकती हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में आमतौर पर आधुनिक चिकित्सा की तुलना में उपचार की लागत काफी ज्यादा कम होती है। यह गरीब लोगों के लिए, जो महंगे अस्पताल और दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते , उनके लिए बहुत लाभकारी होती हैं।

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स पिछले दिनों एक निजी यात्रा पर भारत आए हुए थे। उनके साथ उनकी पत्नी क्वीन कैमिला भी थीं। वे बेंगलुरु के पास एक आधुनिक आरोग्यशाला 'होलिस्टिक हेल्थ सेंटर' में ठहरे। तीन दिन की यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने योग, मेडिटेशन सेशन और योग थेरेपी का भरपूर आनंद उठाया। यानी सामान्य रोगियों से लेकर ब्रिटेन के किंग को भी अब समझ में आ गया है कि सेहतमंद रहने और स्मार्ट दिखने के लिए भारत के आधुनिक डॉक्टरों और परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों से इलाज करवाना कहीं ज़्यादा सही रहेगा।

पारंपरिक चिकित्सक अक्सर ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में भी आसानी से उपलब्ध होते हैं, जहाँ आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ कुछ ही 'मल्टी स्पेशलिटी' अस्पतालों तक ही सीमित होती हैं। अतः यह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां ग्रामीण गरीबों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं और इनमें गरीब ग्रामीणों का अटूट विश्वास भी है। ज्यादातर पारंपरिक उपचार स्थानीय रूप से उपलब्ध जड़ी-बूटियों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर ही आधारित होते हैं, जिसकी लागत कम होती है।

एक खास बात यह भी है कि ये पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियाँ अक्सर शरीर और मन दोनों को एक साथ स्वस्थ रखने पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो आधुनिक चिकित्सा की तुलना में अधिक समग्र दृष्टिकोण है। यह जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम में अत्यंत कारगर मदद कर सकती हैं।

हालांकि कुछ पारंपरिक उपचारों की प्रभावशीलता के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाणों का अभाव गिना दिया जाता है क्योंकि आधुनिक वैज्ञानिक रूप से स्वीकार्य प्रयोगों पर आधारित साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। सरकार को चाहिये कि आधुनिक प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक शोध के आधार पर इनके कारगर परिणाम के साक्ष्य उपलब्ध करवाए। इससे रोगियों की सुरक्षा और उपचार की गुणवत्ता वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सिद्ध और स्थापित हो सकेगी, नहीं तो पारम्परिक सिद्ध चिकित्सा पद्धतियों पर सवाल उठते ही रहेंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े लोगों को और भारत सरकार के

आयुष मंत्रालय को इस तरफ ध्यान देने की जरूरत तो है। इनमें गहन शोध तो होना ही चाहिए।

यह भी मानना होगा कि पारंपरिक चिकित्सा व्यवसाय का नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण अक्सर अपर्याप्त होता है। सरकार को इस तरफ भी देखना होगा।

इनके कुछ चिकित्सक ऐसे दावे करते हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता है, जिससे रोगियों को भ्रमित किया जा सकता है और उनका स्वास्थ्य जोखिम में पड़ सकता है। अतः आयुष मंत्रालय को वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर इन दावों की प्रमाणिकता या तो सिद्ध करनी होगी या फिर ख़ारिज करना होगा। खैर, ये पद्धतियाँ जनता के लिए वरदान तो हो ही सकती हैं, खासकर जब वे आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत हों और उचित नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण के साथ संचालित हों। हालांकि, इन पद्धतियों की सीमाओं और चुनौतियों को भी स्वीकार करना और उनका समाधान करना महत्वपूर्ण है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह उपचार पद्धति भी वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक है ।

भारत अपनी विविधता और समृद्ध इतिहास के लिए जाना जाता है, जिसमें अनेकों पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ हज़ारों वर्षों से चली आ रही हैं। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा, होमियोपैथी और अनेक अन्य प्रणालियाँ सदियों से भारतीय समाज के स्वास्थ्य और कल्याण का एक अभिन्न अंग रही हैं। आज, जब आधुनिक चिकित्सा पद्धति तेज़ी से आगे बढ़ रही है, तब भी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि यह और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। विश्व भर से प्रतिवर्ष हज़ारों अत्यंत पढ़े-लिखे और समृद्ध लोग आखिर भारत आकर इन चिकित्सा पद्धतियों पर लाखों खर्च क्यों करते हैं। वे सभी पागल तो हैं नहीं। उन्हें निश्चित रूप से लाभ मिल रहा है तभी तो वे यहाँ आकर महीनों रहकर, लाखों खर्चकर स्वस्थ होकर वापस जा रहे हैं।

भारत में स्वास्थ्य सेवा का वितरण असमान है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँच सीमित होने के कारण, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये पद्धतियाँ स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करती हैं और अक्सर कम खर्चीली होती हैं, जिससे वे आम लोगों के लिए अधिक सुलभ होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अक्सर इन पद्धतियों पर ही निर्भर रहते हैं, क्योंकि ये उनके सांस्कृतिक परिवेश और आर्थिक स्थिति के अनुकूल हैं।

पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ केवल बीमारियों के इलाज पर ही केंद्रित नहीं हैं, बल्कि रोगों की रोकथाम पर भी ज़ोर देती हैं। आयुर्वेद और योग जैसे पद्धतियाँ जीवनशैली में बदलाव, आहार और व्यायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं, जिससे कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। ये पद्धतियाँ शरीर और मन के बीच संबंध को समझती हैं और समग्र स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ प्रकृति से प्राप्त जड़ी-बूटियों और अन्य प्राकृतिक उपचारों का व्यापक उपयोग करती हैं। ये उपचार अक्सर कम साइड इफ़ेक्ट वाले होते हैं और आधुनिक दवाओं की तुलना में शरीर पर कम हानिकारक प्रभाव डालते हैं। भारत की जैव विविधता ने सदियों से पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को पोषित किया है और इन पद्धतियों को अद्वितीय उपचार विकसित करने का अवसर प्रदान किया है।

इन चिकित्सा पद्धतियाँ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये पद्धतियाँ सदियों से भारतीय समाज के जीवन में अंतर्निहित हैं और लोगों के स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन पद्धतियों को अपनाने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण में भी वृद्धि होती है।

आयुर्वेद और योग जैसे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों ने विश्व स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है। इनकी मांग बढ़ने से भारत के लिए आर्थिक अवसर भी पैदा हुए हैं। पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित उद्योगों का विकास भारत की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने और रोजगार के अवसर पैदा करने में योगदान दे सकता है।

हालांकि, इन पद्धतियों को आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है। यह महत्वपूर्ण है कि इन पद्धतियों का वैज्ञानिक सत्यापन किया जाए और उनकी प्रभावशीलता को सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, इन पद्धतियों के व्यावसायीकरण को नियंत्रित करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उचित विनियमन की भी आवश्यकता है।

एक बात फिर दोहराना चाहता हूं कि आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, आदि पद्धतियों से जुड़े विद्वानों को अपने अनुसंधान को और गहना करना होगा। वैज्ञानिक पद्धति से किए गए शोध इन पद्धतियों के लाभों, कार्यप्रणाली और सीमाओं को स्पष्ट कर सकते हैं। इससे न केवल इन पद्धतियों की विश्वसनीयता बढ़ेगी, बल्कि अविश्वसनीय दावों से भी बचा जा सकेगा।

पारंपरिक पद्धतियों में पाए जाने वाले औषधीय पौधों और पदार्थों का आधुनिक विज्ञान के द्वारा गहन अध्ययन किया जा सकता है। इससे नई दवाओं और उपचारों का विकास संभव हो सकता है, जो कई बीमारियों के लिए प्रभावी इलाज मुहैया करा सकते हैं।

बेशक, पारंपरिक औषधियों की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कठोर शोध आवश्यक है। पारंपरिक पद्धतियाँ अक्सर व्यक्ति-विशिष्ट उपचार पर जोर देती हैं। शोध से यह पता चल सकता है कि किस प्रकार के रोगियों के लिए कौन सी पद्धति अधिक प्रभावी है और व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार उपचार को कैसे अनुकूलित किया जा सकता है।

सीरिया संकट

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बशर सत्ता के पतन के बाद आतंकवाद का खतरा

सीरिया में बशर अल असद की सत्ता के पतन पर संपूर्ण विश्व के आम लोग हैरत में होंगे। यद्यपि वहां पिछले डेढ़ दशक से गृह युद्ध चल रहा था लेकिन इसका आभास नहीं था कि अचानक सब कुछ पलट जाएगा। समाचार के अनुसार बशर अल असद और उनका परिवार रूस में है और राष्ट्रपति पुतिन ने उन्हें अपने यहां शरण दिया है। उनका परिवार कुछ दिन पहले ही रूस चला गया था। हालांकि यह भी आशंका उठाई गई थी कि उनके विमान को तुर्किये द्वारा दिए गए अमेरिकी मिसाइल से मार गिराया जा सकता है। सत्ता से उखाड़ने वाला हयात तहरीर अल -शाम या एचटीएस एक कट्टर जेहादी इस्लामवादी समूह है। इसने नवंबर के अंत में शायद अब तक का सबसे बड़ा संघर्ष आरंभ किया। पिछले ही दिनों समाचार आया कि सीरिया के सबसे बड़े शहर अलेप्पो सहित अनेक शहरों पर उसका नियंत्रण होता जा रहा है। 8 दिसंबर को अंततः राजधानी दमिश्क भी उसके कब्जे में आ गया। सहसा लोगों को इन समाचारों पर विश्वास नहीं हो रहा था कि बशर शासन में सेना के अधिकारी या तो समर्पण कर रहे हैं या फिर भाग रहे हैं। अब इस बात की पुष्टि हो गई है कि ज्यादातर अधिकारी इराक भाग गए। ये अधिकारी सद्दाम हुसैन के काल में असद के निकट और हितैषी माने जाते थे। सीरिया के निकट भविष्य में क्या होगा इस समय कहना जरा कठिन है। सत्ता उखाड़ने के बाद किसी भी मुस्लिम देश में स्थिरता का इतिहास नहीं है।

इतना कहा जा सकता है कि आम लोगों को भले आश्चर्यजनक लगे लेकिन इसकी संभावना पूरी तरह दिखाई देने लगी थी। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कहा कि सीरिया में हो रही घटनाओं से हमारा कोई मतलब नहीं होना चाहिए क्योंकि यह न हमारी लड़ाई है और न सीरिया हमारा कभी दोस्त रहा है। जो बिडेन प्रशासन की नीति इससे भिन्न है। अमेरिका इस पूरे संघर्ष के मूल में था और ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद क्या होगा कहना कठिन है पर तत्काल उसकी वहां सर्वप्रमुख भूमिका है। हयात तहरीर अल -शाम के प्रमुख अबू मोहम्मद अल जोलानी ने तो अमेरिकी टीवी सीएनएन से बातचीत में कहा है कि हमें बसर अल असद को सत्ता से हटाने का काम दिया गया था और यही हमारा लक्ष्य था। इसके पहले भी वह सीएनएन पर आ चुका था। सीएनएन टेलीविजन पर उसका साक्षात्कार होना ही बड़ी बात थी। एचटीएस पहले ओसामा बिन लादेन द्वारा स्थापित अलकायदा से जुड़ा था। इसका लक्ष्य क्या हो सकता है यह बताने की आवश्यकता नहीं। ध्यान रखिए, जोलानी ने इराक में अमेरिका के विरुद्ध अलकायदा के आतंकवादी के रूप में ही संघर्ष किया था। अमेरिका ने 2018 में एचटीएस को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित कर जोलानी पर एक करोड डॉलर का इनाम रखा था। जोलानी का पूरा साक्षात्कार देखे तो उसमें वह कह रहा है की सीरिया में ईरान ने बशर अल असद को नए सिरे से शक्ति दी और रूस ने उसमें पूरा सहयोग किया। एक आतंकवादी आतंकवादी समूह के द्वारा सीरिया की सत्ता पर कब्जा कर रहा है और उसे प्रमुख देशों का समर्थन मिल रहा है

आरंभ में इसने तुर्किये से लगे हुए इदलिब प्रांत पर हमला किया। अलेप्पो समेत कई शहरों पर कब्जा करने के बाद जिस तरह कुछ घंटे में राजधानी दमिश्क में झंडा फहरा दिया उसका अर्थ था कि इसकी पूरी तैयारी पहले से की गई थी और उसमें सहयोग भी था। वास्तव में पिछले कई वर्षों से इन सबको तुर्किये में प्रशिक्षण मिल रहा था। अगर तुर्किये जैसा देश बसर अल असद के विरुद्ध विद्रोहियों को प्रशिक्षण और संसाधन दे और उन्हें बड़े-बड़े देश जिनमें अमेरिका, सऊदी अरब, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल, कतर, नीदरलैंड आदि से केवल राजनीतिक नहीं सैन्य समर्थन भी प्राप्त हो जाए तो फिर इनकी विजय होनी ही थी। ध्यान रखिए, रूस के सबसे सुरक्षित चार सैनिक अड्डे सीरिया में हैं। यानी इसके पीछे रस को भी कमजोर करने की रणनीति है। गृह युद्ध में पहले से ही सीरिया का एक बड़ा हिस्सा कुर्द लड़ाकों के नियंत्रण में था जिन्हें अमेरिका समर्थन देता है और इसे तुर्किये का भी समर्थन है। यह एक सुन्नी संगठन है जिसके माध्यम से अमेरिका पूरे पूर्वी सीरिया को लगभग नियंत्रित कर रहा था। इसराइल ने बीच-बीच में आवश्यकता अनुसार हमले किए। कुर्दों की अपनी लड़ाई जारी रही। व पहले से ज्यादा शक्तिशाली थे।

आरंभ से लेकर अभी तक की स्थिति समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि सीरिया में 2011-12 से गृह युद्ध क्यों आरंभ हुआ? अरब में अमेरिका और यूरोपीय देशों के संबंध थोड़ा जटिल हैं। अमेरिका और उसके साथी देश कतर से गैस को तुर्किये होकर जॉर्डन और सीरिया से यूरोप तक पाइपलाइन ले जाना चाहते हैं। लक्ष्य है कि यूरोप की रुस के प्राकृतिक गैस पर निर्भरता समाप्त हो। कम से कम ठंढ के दिनों में तो यूरोप रूस पर निर्भर न रहे और उसे दूसरे विकल्प उपलब्ध हों। दूसरी ओर रूस अपने साथियों के लिए 5600 किलोमीटर गैस पाइप लाइन ईरान, इराक, सीरिया के रास्ते निर्मित करना चाहता था। इससे रुस की स्थिति मजबूत होती तथा ईरानी अर्थव्यवस्था भी सशक्त होता। तो निष्कर्ष यही है कि पूरे संघर्ष का एक बड़ा कारण ये गैस पाइपलाइन योजनाएं ही हैं। रूस द्वारा बशर को समर्थन का प्रमुख कारण यही रहा है। दरअसल, बशर अल असद ने 2010 में कतर की ओर से आए पाइपलाइन प्रस्ताव को नकार दिया क्योंकि वह यूरोप में रूस के व्यापारिक हितों के पक्ष में थे। अमेरिका ने किसी तरह बशर अल असद को हटाने की कोशिश की। ऐसी स्थिति पैदा करने की कोशिश हुई ताकि या तो वे इस्तीफा दें या उनके विरुद्ध विद्रोह हो जाए। वर्ष 2011 में, जिसे अरब स्प्रिंग कहा गया, वहां के सरकारों के खिलाफ विद्रोह पूरे क्षेत्र में यूं ही नहीं फैला था। ट्यूनीशिया में शासन पलट गया तथा यमन, बहरीन और सीरिया में महंगाई, परिवारवाद, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को सतह पर लाकर जो विरोध प्रदर्शन हुए वो हमारी स्मृतियों में हैं। विद्रोही समूहों को अमेरिका, यूरोप और तुर्की का पूरा समर्थन था। सीरिया के सहयोग में ईरान, लेबनान का हिजबुल्ला और रूस था।

2012 मेंबराक ओबामा के शासन काल में मान लिया गया था कि बसर अल असद का शासन खत्म होने ही वाला है। तत्कालीन विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने इसकी घोषणा भी कर दी थी। इसके बावजूद 12 वर्ष तक असद टिके रहे तो इसी कारण क्योंकि ईरान हिज्बुल्ला और रूस का उन्हें समर्थन मिलता रहा तथा आईएएस के कारण इसका खात्मा अमेरिका एवं यूरोपीय देशों के लिए प्रमुख लक्ष्य हो गया। लेकिन जब इजरायल के संघर्ष में हिज्बुल्ला लगभग खत्म है, ईरान इस समय सीधे संघर्ष में उलझने की स्थिति नहीं में नहीं और रूस यूक्रेन में फंसा हुआ है तो फिर बशर अल असद का बचना कठिन था। वैसे बशर अल असद का शासन बहुत ज्यादा लोकप्रिय भी नहीं था। 50 वर्षों तक उनके परिवार के शासन में सीरिया कई अरब देशों से काफी पीछे चला गया। आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं थोड़ी जटिल हुईं। बसर के शासनकाल में सत्ता से जुड़ी एक छोटी आबादी ही उससे लाभान्वित हुई। देश में अल्पसंख्यक शियाओं की स्थिति थोड़ी अच्छी रही लेकिन सामाजिक - आर्थिक स्थिति के कारण असंतोष बना हुआ था। बावजूद अगर एक समय घोषित आतंकवादी समूह एजटीएस को समर्थन नहीं मिलता और इतनी संख्या में देश अपने स्वार्थ के वशीभूत उन्हें हटाने के लिए काम नहीं करते तो उनकी सत्ता नहीं जाती। किंतु सत्ता परिवर्तन के बाद सीरिया में स्थिरता आ जाएगी ऐसा नहीं मानना चाहिए। जो स्थितियां है उसमें संघर्ष लंबा चलेगा। जालोनी इस्लामी जिहाद के लक्ष्य काम किया तो आगे अमेरिका एवं यूरोप के लिए दुनिया के लिए समस्याएं पैदा होगी। ना तो आईएसआईएस पूरी तरह खत्म हुआ है और न अलकायदा ही। वैसे भी इस तरह के परिवर्तन के बाद जनता के बीच लोकप्रिय होना और व्यापक समर्थन प्राप्त करना संभव नहीं होता। उसमें भी जब सत्ति विदेशी शक्तियों के स्वार्थ की दृष्टि से स्थापित हो।

पालन,सृजन एवं विलय के एकीकरण भगवान दत्तात्रेय

श्री दत्तात्रेय जयंती विशेष

अमित राव पवार

लेखक पत्रकार हैं।

श्री दत्तात्रेय भगवान को संसार ब्रह्मा,विष्णु एवं महेश के संयुक्त रूप में पूजन करता। त्रिदेव का यह शक्ति स्वरूप अवतार देव एवं गुरु दोनों है। भारतीय सनातन हिंदू परंपरा के अखाड़े में भगवान दत्तात्रेय को अपना पूजनीय माना गया साथ ही सांसारिक जीवन में गुरु रूप में इन्हें हम अपना इष्ट देव मानते भगवान श्री दत्तात्रेय अपने समीप कामधेनु, गौ माता को रखकर,औदुम्बर के वृक्ष में विराजित होकर अनंत काल तक इस संसार को प्रकृति के साथ रहने का संदेश दे रहे,साथ ही उनके आसपास चार श्वान वेदों के प्रतीक माने जाते हैं।

इनका जन्म पुराणों की कथानुसार बताया गया है कि एक बार देव ऋषि नारद जी माता पार्वती जी के पास जाकर देवी अनुसूया के पतिव्रत धर्म के ज्ञान का उल्लेख करने लगे वहां उपस्थित तीनों देवियों को इस बात से ईर्ष्या होने लगी। त्रिदेवियों ने बहुत मंथन करने के पश्चात अपने-अपने पतियों से देवी अनुसूया का पतिव्रत धर्म की परीक्षा लेने के लिए आग्रह किया जो उन्होंने अस्वीकार किया,किंतु देवियों के हठ के कारण तीनों देवताओं को विवश होना पड़ा त्रिदेव साधु वेश में ऋषि अत्रि के आश्रम पहुंचे ऋषि अत्रि इस समय आश्रम में नहीं थे। देवी अनुसूया ने अतिथि संस्कार का पालन करते हुए प्रणाम कर फल एवं अन्य सामग्री भिक्षा में अर्पित की लेकिन त्रिदेव ने लेने से मना किया और कहने लगे कि तब तक आतिथ्य स्वीकार नहीं करेंगे,जब तक आप हमें गोदी में बिठाकर भोजन नहीं कराएंगी।यह बात सुनकर पहले तो देवी अनुसूया अवाक व अचंभित रह गई किंतु अतिथि साधु नाराज और खाली ना लौटे इस दृष्टि से उन्होंने नारायण का ध्यान कर अपने पति अत्रि ऋषि का स्मरण किया तथा अपने तपोवन से त्रिदेव को बाल स्वरूप में ला दिया,तीनों को अपने हाथों से गोद में लेकर अन्नप्राश कराया। माँ व पुत्र के बीच ममतामयी स्पर्श करते हुए उनका लालन,पालन करने लगी। कुछ दिन व्यतीत होने पर देवलोक में त्रिदेव के न पहुंचने पर देवियां अत्यंत व्याकुल हो गई तीनों देवियां ऋषि पत्नी माता अनुसूया के पास गई और अपनी गलती के लिए उनसे क्षमा मांगी। माँ पार्वती,माता लक्ष्मी और सरस्वती ने त्रिदेव को अपने मूल स्वरूप में लौटने को कहा देवी अनुसूया ने मना कर दिया,तब तीनों देवियों ने ब्रह्मा,विष्णु और शिव जी के अंश से दत्तात्रेय को उत्पन्न किया और उनके पुत्र रूप में अनुसूया को सौंप दिया। दत्तात्रेय को पुत्र स्वरूप में पाकर देवी अनुसूया ने अपने तपोबल से त्रिदेव को उनके मूल स्वरूप में ला दिया। इस तरह भगवान ब्रम्हा,विष्णु और महेश इन तीनों देवों के अंश माने जाने वाले भगवान दत्तात्रेय का जन्म मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा के दिन प्रदोष काल में माना जाता। तभी से इस दिन को उनके जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है।भगवान दत्तात्रेय की पूजा करने से तीनों देवों की पूजा करने का फल प्राप्त होता है,इनके सारथी के रूप में गौ माता और श्वान दोनों को माना जाता। मान्यता के अनुसार विष्णु के छठे अवतार इन्हें कहा जाता है। तीनों शक्तियों में समाहित भगवान दत्तात्रेय सर्वव्यापी हैं,उनकी उपासना से मनुष्य को बुद्धि और ज्ञान की प्राप्ति तथा सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती। भगवान दत्तात्रेय में तीन पहलु-सृजन,पालन एवं विलय का एकीकरण है। माँ व पुत्र के मध्य कैसा मार्मिक संबंध होता है, इस बात को अनुसूया ने ब्रह्मा विष्णु और महेश के माध्यम से इस संसार को बताने का प्रयास किया है।

भगवान दत्तात्रेय के भारत में 16 महत्वपूर्ण स्थल माने जाते हैं,उन्होंने स्वयं अपने जीवन काल में 24 गुरुओं को स्वीकार किया,जिससे जो ज्ञान पाया उसे गुरु रूप में अपनाया यह वर्तमान परिस्थितियों में युवाओं को संदेश है कि हम इस संसार के हित ओर सकारात्मकता लिए जिससे भी कुछ सीखते हैं वह हमारे लिए गुरु,पूजनीय, आदरणीय,सम्माननीय होते है। महाभारत काल में भी गुरु दत्तात्रेय का उल्लेख मिलता है भारत में ऐसे अनेक स्थान हैं जो भगवान दत्तात्रेय के नाम से प्रसिद्ध है,उन्हीं में से एक कुरूवापुर भगवान दत्तात्रेय का तीर्थ,यह कर्नाटक के रायचूर जिले से 25 किलोमीटर दूर कृष्णा नदी के तट पर स्थित है। कलयुग में भगवान दत्तात्रेय का पहला अवतार श्रीपाद वल्लभ की कर्म भूमि व तपोभूमि के रूप में माना जाता है। दत्तात्रेय ब्रह्मचारी होने के साथ ही शीघ्र कृपा करने वाले तथा विद्या के परम आचार्य कह जाते है इनका नाम लेने और स्मरण करने से ही बड़े से बड़े कष्ट दूर हो जाते है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

मुकेश नेमा

लेखक मप्र के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

अफसर की अगाड़ी और घोड़े की पिछाड़ी न रहने की समझदारी

मैं उम्मीद करता हूँ कि बाक़ी सभी समझदारों की तरह आपने भी यह कहावत सुन ही रखी होगी कि अफ़सर की अगाड़ी और घोड़े की पिछाड़ी से दूर बने रहने में ही समझदारी होती है। ये दोनों ही वह खतरनाक परिस्थितियां है जब आपको लात पड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

घोड़े के पिछाड़ी जाना तो फिर भी ठीक है। घोड़ों का मूड आमतौर पर ठीक ही रहता है। यदि आपकी जान पहचान का हो घोड़ा तो हो सकता है वो आपको लात मारने मे संकोच करे। वैसे भी आप घोड़े की पिछाड़ी के ज्यादा नजदीक ना जायें तो घोड़ा आपको शरीफ मानने से मना नहीं करता।

अब आयें अफसर की तरफ। अफसर को घोड़े की तरह भला मान कर बर्ताव करेगे आप तो धोखा खायेंगे। अब भला अफसर का घोड़े से क्या मुकाबला ? अफसर अफसर है और घोड़ा घोड़ा है इन दोनो मे अंतर करना आना चाहिये आपको। आप अफसर से घोड़े जैसी भलमनसाहत की उम्मीद रखेगें तो दिक्कत हो सकती है।

इसे ऐसे समझिए। अफसर नया नया आया है आपके दफ्तर में। समझदार बाबू उसके आते ही आगे आगे नहीं होते उसके। जो अति उत्साही नंबर बढ़वाने के आकांक्षी होते है ऐसी भूल किया करते है अकसर। अब आप जैसे ही अफसर के नजदीक होते है ,आपकी खूबियों के साथ आपकी नालायकियों से भी वाकिफ होने लगता है। खूबियाँ हुई आपसे तो आप लादे जाएँगे। आपसे पहले जो पुराने वाले अफसर के नजदीकी थे वो आपकी इतनी जड़े खोद देगें कि आपके लिये खड़ा रहना मुश्किल हो जायेगा। दूसरी स्थिति है अफसर के आपके नालायक पक्ष से परिचित होने की ,तो इसमे तो आपको उसकी बेहिचक लात पड़नी ही है।

इसके अलावा घोड़े और अफसर मे एक और मूलभूत अंतर है। अफसर का निशाना घोड़े से बेहतर होता है। घोड़ा आपकी पिछाड़ी पर लात जमाने मे चूक कर सकता है। पर अफसर ? अफसर इस मामले में घोड़े का बाप होता है। वो ठान ले और आपकी पिछाड़ी बिना सूजे रह जाये ऐसा होते कभी देखा नहीं गया है।

दुलत्ती को छोड़ दें तो घोड़े और अफसर मे काफी कुछ अंतर तलाशे जा सकते है। घोड़े का ख्याल रखें आप तो दोस्ती भी की जा सकती है उससे ,पर साहब की खुशमिज़ाजी को यदि आप दोस्ती समझने की भूल करेगें तो कभी भी अचानक लात खा सकते हैं। घोड़ा घांस से चाहे दोस्ती कर ले पर अफसर कभी भी अपने मातहत का दोस्त नही हो सकता। मेरी तो यह सलाह है कि अफसर दोस्ती का भरम भी दे तो उसके चक्कर में ना आएं। ये आपको लात देने का न्यौता भी हो सकता है।

अंतर तो है घोड़े और अफसर में। अफसर और घोड़े दोनों तरह तरह के रंगों में पाए जाते हैं। पर घोड़े को घोड़ा होकर ही पैदा होना पड़ता है जबकि अफसर अफसर होने के पहले गधा भी हो सकता है। घोड़े को दुलार कर ,बढ़िया दाना पानी पेश कर साधा जा सकता है। जबकि अफसर इससे राजी हो ही जाए यह जरूरी नहीं। चेतक टाईप के बहुत से घोड़े तो इतने शरीफ हुए हैं कि इतिहास में उनका नाम दर्ज है। पर किसी अफसर को अब तक इतिहास में जगह बनाते देखा नही गया है।घोड़ा मजे लेने के लिए आपको लात नहीं मारता पर अफसर ऐसा काम शौकिया भी करते देखे गए हैं।

आप घोड़े को अफसर से एक दूसरे तरीके से भी अलग कर सकते हैं। घोडा यदि नाराज हो आपसे तो बहुत बार कान वगैरा हिला कर ,नथुने फड़फड़ाकर उसे जाहिर भी कर देता है। पर अफसर का हमला अप्रत्याशित होता है। बहुत बार आप अपने आपको आँकने मे भूल कर बैठते हैं। लाडं में आ जाते है और कुछ ज्यादा ही नज़दीक चले जाते है साहब के। ऐसे में यदि अफसर का मन आपको लात मारने का कर उठे तो इसमे गलती आप ही की है।अफसर की नहीं।

जहाँ तक रही मेरी बात तो यह तो आप भी मानेगें कि समझदारी तो मुझमे कूट कूट कर भरी है। हांलाकि घोड़ों से मेरा कोई लेना देना नहीं पर मुझसे बड़े अफसर तो मौजूद हैं ही इस संसार में। इसलिये खुद अफसर होने के बावजूद ये कहावत मुझे नाज़ुक मौक़ों पर याद बनी रहती है। अपनी समझदारी के अलावा मैं उस अनुभवी आदमी का भी आभारी हूं जिसने यह कहावत बनाई। उसी की वजह से मैं अब तक सानंद ,सुखी जीवित बना हुआ हूँ।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

ऊर्जा संरक्षण से पूरी होगी बिजली की जरूरतें

भारत एक ऐसा देश है जहां पूरे साल सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में साल भर में लगभग 310 दिनों तक तेज धूप खिली रहती है। भारत भाग्यशाली देश है जिसके पास सौर ऊर्जा के लिए खिली धूप की उपलब्धता, पर्याप्त मात्रा में भूमि की उपलब्धता, परमाणु ऊर्जा के लिए थोरियम का अथाह भंडार तथा पवन ऊर्जा के लिए लंबा समुद्री किनारा नैसर्गिक संसाधन के तौर पर उपलब्ध है। जरूरत है तो बस उचित प्रौद्योगिकी का विकास तथा संसाधनों का दोहन करने की। देश की ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में बहुत बड़ा अन्तर है। देश में बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। अगर इस समय बिजली संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो यह भारत के विकास के लिए बड़ा अभिशाप सिद्ध हो सकता है। क्योंकि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता ऊर्जा से ही होकर जाता है। सरकार को अब वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से विचार करते हुए ऊर्जा बचत के लिए जरूरी उपाय अपनाने पड़ेंगे। इस मायने में सूर्य से प्राप्त सौर ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण विकल्प है।

हमारे जीवन में प्रतिदिन के विभिन कार्यों के संचालन के लिए ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण साधन है। दुनिया की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ-साथ प्रतिवर्ष ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। हम प्रतिदिन विभिन रूपों में ऊर्जा का उपयोग करते है। अतः भविष्य में ऊर्जा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसका संरक्षण आवश्यक है। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य विभिन उपायों के माध्यम से ऊर्जा का संरक्षण करना है। ऊर्जा संरक्षण के अंतर्गत विभिन कार्यो के माध्यम से ऊर्जा का उपयोग इस प्रकार किया जाता है। जिससे वर्तमान की आवश्यता की पूर्ति के साथ भविष्य की जरूरतें भी पूरी हो सकें। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग है। इसका अर्थ है ऊर्जा का अनावश्यक उपयोग ना करना एवं कम से कम ऊर्जा का उपयोग करते हुए कार्य को करना।

भारत एक ऐसा देश है जहां पूरे साल सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में साल भर में लगभग 310 दिनों तक तेज धूप खिली रहती है। भारत भाग्यशाली देश है जिसके पास सौर ऊर्जा के लिए खिली धूप की उपलब्धता, पर्याप्त मात्रा में भूमि की उपलब्धता, परमाणु ऊर्जा के लिए थोरियम का अथाह भंडार तथा पवन ऊर्जा के लिए लंबा समुद्री किनारा नैसर्गिक संसाधन के तौर पर उपलब्ध है। जरूरत है तो बस उचित प्रौद्योगिकी का विकास तथा संसाधनों का दोहन करने की।

देश की ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में बहुत बड़ा अन्तर है। देश में बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। अगर इस समय बिजली संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो यह भारत के विकास के लिए बड़ा अभिशाप सिद्ध हो सकता है। क्योंकि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता ऊर्जा से ही होकर जाता है। सरकार को अब वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से विचार करते हुए ऊर्जा बचत के लिए जरूरी उपाय अपनाने पड़ेंगे। इस मायने में सूर्य से प्राप्त सौर ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण विकल्प है।

भारत में 31 मार्च 2023 तक स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 416,059 मेगावाट थी। जिसमें जीवाश्म ईंधन से 237,269 मेगावाट अथवा 57 प्रतिशत तथा गैर-जीवाश्म ईंधन से 178,790 मेगावाट अथवा 43 प्रतिशत शामिल। देश में कोयले से 205,235 मेगावाट अथवा 49.3 प्रतिशत, लिग्नाइट से 6620 मेगावाट, हाइड्रोपावर (पनबिजली) से 46,850 मेगावाट यानि कुल क्षमता का 11.3 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का योगदान 24,824 मेगावाट यानि क्षमता का महज 6 प्रतिशत और परमाणु ऊर्जा से 6780 मेगावाट, सौर उर्जा से 66,780 मेगावाट यानि 16.1 प्रतिशत, डीज़ल से 589 मेगावाट यानि 0.1 प्रतिशत, हवा से 42,633 मेगावाट यानि 10.2 प्रतिशत, बायो मास पावर/कोजेन से 10,248 मेगावाट, अपशिष्ट से 554 मेगावाट, लघु हाइड्रो से 4944 मेगावाट, नाभिकीय से 6780 मेगावाट बिजली उत्पन्न होती है। देश के सभी घरों तक 24 घंटे बिजली पहुंचाने के लिए मौजूदा क्षमता कम पड़ेगी। इसके लिए वर्तमान क्षमता से कम से कम 30 फीसदी अधिक बिजली की जरूरत होगी। इसके लिये देश में पावर प्लांटों में 100 फीसदी बिजली उत्पादन करना होगा। बिजली आज पूरी दुनिया की सबसे अहम जरूरत बन गयी है। बिजली के बिना कोई भी देश तरक्की नहीं कर सकता है। थोड़े से समय के लिये बिजली चली जाने पर हमारे अधिकतर काम रूक जाते हैं। बिजली हमारे जनजीवन का कब मुख्य हिस्सा बन गयी हमें पता ही नहीं चल पाया। आज हमारा पूरा जनजीवन बिजली से जुड़ा हुआ है। बिजली का उत्पादन मशीनो से किया जाता है। ऐसे में हमें हर हाल में बिजली का दुरूपयोग नहीं करना चाहिये।

सौर ऊर्जा प्रदूषण रहित, निर्बाध गति से मिलने वाला सबसे सुरक्षित ऊर्जा स्रोत है। भारत में सौर ऊर्जा लगभग बारह महिने उपलब्ध है। सौर ऊर्जा को और अधिक उन्नत करने के लिए हमें अपने संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। ऊर्जा के मामले में अधिक समय तक दूसरों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में हमें अपनी तकनीक और संसाधनों का उपयोग कर आत्मनिर्भरता हासिल करनी ही होगा। यह दुख का विषय है कि बहुत लम्बे समय तक हमने सौर ऊर्जा के उत्पादन व उपयोग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। हमारे देश की परिस्थितियां विषम होने के कारण हमें सभी उपलब्ध ऊर्जा विकल्पों पर विचार करना होगा। इसके साथ ही ऊर्जा संरक्षण के व्यावहारिक कदमों को अपनाना होगा ताकि बड़े पैमाने पर बिजली की बचत हो सके।

हमारे देश में ऊर्जा की मांग तीव्रगति से बढ़ रही है। लेकिन उत्पादन में खपत की तुलना में बढ़ोत्तरी नहीं हो पा रही है। देश में चल रही पुरानी बिजली परियोजनाएं कभी पूरा उत्पादन नहीं कर पाई है। नई स्थापित होने वाली परियोजनाओं के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं होती हैं। देश में बिजली के इस संकट को अगर अभी समय रहते दूर नहीं किया गया तो आने वाले समय में गंभीर संकट का सामना करना होगा। दुर्भाग्यवश हमारे देश में खनिज, पेट्रोलियम, गैस, उत्तम गुणवत्ता के कोयला जैसे प्राकृतिक संसाधन बहुत सीमित मात्रा में ही उपलब्ध हैं। ऊर्जा की बचत किये बिना हम विकसित राष्ट्र का सपना नहीं देख सकते हैं।

आज जिस तेजी के साथ हम प्राकृतिक और पराम्परिक ऊर्जा के स्त्रोतों का उपयोग कर रहे हैं। उस रफ्तार से 40 साल बाद हो सकता है हमारे पास तेल और पानी के बड़े भंडार खत्म हो जाए। उस स्थिति में हमें ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्त्रोतों यानि सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे साधनों पर निर्भर होना पड़ेगा। लेकिन ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्त्रोतों को इस्तेमाल करना थोड़ा मुश्किल है और इस क्षेत्र में कार्य अभी प्रगति पर है। इन स्त्रोतों को इस्तेमाल में लाने के लिए कई तरह के वैज्ञानिक शोध चल रहे हैं जिनके परिणाम आने और आम जीवन में इस्तेमाल लाने के लायक बनाने में अभी समय लगेगा। इसे देखते हुए अगर हमने अभी से ऊर्जा के स्त्रोतों का संरक्षण करना शुरू नहीं किया तो आगे चलकर हालात बहुत बदतर हो सकते हैं। केंद्र सरकार का कहना है कि देश के अब सभी 5 लाख 97 हजार 464 गांवों का विद्युतीकरण हो गया है। सरकार की परिभाषा के मुताबिक वे गांव इलेक्ट्रिफाइड माने जाते हैं। जहां बेसिक इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर हो और गांव के 10 फीसदी मकानों और सार्वजनिक जगहों पर बिजली हो। भारत में बीते एक दशक के दौरान बढ़ती आबादी, आधुनिक सेवाओं तक पहुंच, विद्युतीकरण की दर तेज होने और सकल घरेलू आय में वृद्धि की वजह से ऊर्जा की मांग काफी बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मांग को सौर ऊर्जा के जरिए आसानी से पूरा किया जा सकता है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए अब विदेशी कंपनियों की निगाहें भी भारत पर हैं।

आज विश्व का हर देश कागजी स्तर पर तो ऊर्जा संरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें करता है। लेकिन ऊर्जा की बर्बादी में सबसे आगे नजर आते हैं। अगर भारत की बात की जाए तो यहां विश्व में पाएं जाने वाली ऊर्जा का बहुत कम प्रतिशत हिस्सा पाया जाता है। लेकिन इसकी तुलना में हम इसको कहीं ज्यादा खर्चा करते हैं। हमारे देश में आज ऊर्जा बचत के उपायों को शीघ्रतापूर्वक और सख्ती से अमल में लाए जाने की जरूरत है। इसमें देश के हर नागरिक की भागीदारी होनी चाहिए। हर संभव ऊर्जा बचत करें तथा औरों को भी इसका महत्व बताएं।

दृष्टिकोण

भूपेन्द्र गुप्ता

स्वतंत्र लेखक

पछतावे के पहले आक्रामकता को रोक लेना बेहतर

जब भी समाज घातक घटनाओं को नजरअंदाज करता है और उन पर कोई स्टैंड नहीं लेता तो वे नजीर बन जातीं हैं। अठारह साल पहले स्व जुगलकिशोर बागरी ने माध्यमिक शिक्षा मंडल के एक बाबू का कालर पकड़ लिया था वे तब जल संसाधन मंत्री थे। उसी काल में एक और मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने भी एक डाक्टर को थप्पड़ जड़ दिया था।घटनायें तो भुला दीं गईं किंतु विकृति बढ़ती गई है। देश आज जिस राह पर है वह निश्चित ही चौंकाने वाला है। प्रतिक्रियायें हिंसक और उन्मादी होती जा रहीं हैं। सीमायें अपने आप टूट रहीं हैं।ऐसा क्यों हो रहा है। पूर्व में हुई तीन घटनाओं की तरह एक ही सप्ताह में फिर से वैसी ही नई घटनायें सामने आ गई हैं। जो झकझोरतीं हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज ने अपने सार्वजनिक भाषण में अल्पसंख्यकों को कठमुल्ला कहते हुए उन्हें देश के लिये खतरनाक बताया है। वे कथित रूप से बहुसंख्यकों के अनुसार देश चलाने की बात भी कहते हैं। उनके विरुद्ध महाअभियोग लाने की बात हो रही है। यह रेडिकिलाईजेशन (कट्टरता) की नई नजीर है।

इससे भी खतरनाक घटना गाजियाबाद के जिला जज द्वारा छोटी सी बात पर वकीलों से हुए वाद विवाद में जिला न्यायाधीश और वकीलों के बीच में कथित झूमा झटकी की है, जहां पुलिस द्वारा वकीलों की जबरदस्त पिटाई के बाद वकीलों द्वारा अदालत के बाहर पुलिस चौकी में आग लगा देने की है। यह दोनों घटनायें न्यायपालिका के आचरण पर रोशनी डालती हैं अगर न्यायाधीश इतने ही प्रतिक्रियावादी हो जायेंगे तब निष्पक्ष न्याय की परिकल्पना ही व्यर्थ है। कल तक तो न्याय की मूर्ति की आंखों पर पट्टी थी लेकिन आज तो पट्टी हटा दी गई है ,तब जजों और वकीलों का यह कथित व्यवहार स्पष्ट संकेत है कि प्रतिक्रिया का उत्तेजक जहर पूरे कुंए में घुल चुका है।

एक राष्ट्रीय दल के बड़े नेता के विरुद्ध विदिशा में शर्मनाक मामले में एफआईआर दर्ज हुई है। उसकी भतीजी ने ही उस पर यौन शोषण और रेप के आरोप लगाये हैं। हालांकि भाजपा ने उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया है किंतु यह वासनागत उन्माद की पराकाष्ठा है जिसमें रिश्ते तार तार हो गये हैं। पारिवारिकता के रिश्तों को भी अब संशय की नजर से देखा जायेगा। इसके पूर्व भी पन्ना में रिश्तों को कलंकित करने वाला मामला दर्ज हुआ था। संयोग से वे भी इसी दल के नेता थे। क्या रसूख और सत्ता का गुमान दैहिक शोषण की आजादी का कारण बन रहा है,या यह केवल समाज को निरंतर उत्तेजक बनाये रखने के राजनीतिक तमाशों का अनिवार्य परिणाम है। रतलाम में मध्यप्रदेश की एक नवजात पार्टी के इकलौते विधायक और एक शासकीय डॉक्टर के बीच खुल्ले गाली गलौज का वीडियो भी अपनी अपनी भूमिका में मगरूरियत का प्रमाण है।जो डाक्टर विधायक को अशोभनीय गालियां दे रहा हो उसका व्यवहार मरीजों से कैसा होगा? दूसरी तरफ क्या विधायक को भी नियमित कार्यों में इतना अतिक्रमण करना चाहिये कि सरकारी कर्मचारी भी आक्रामक प्रतिक्रिया करने लगें। यह परिस्थिति खतरनाक है। जब सत्ता और पद का नशा सर चढ़ कर बोलता है तो सिस्टम टूटता है और विकृतियां पनपने लगतीं हैं।

प्रदेश में घर से भागकर कथावाचक अघोरी और साधु बनने के लिये 13 नाबालिग बच्चे उज्जैन में पकड़े गये हैं। उनमें से लगभग सभी ने बताया है कि वे रीलें देख देखकर भक्ति और लोकप्रियता के लिये घर छोड़ आये हैं। रील का नशा और झूठी चमक दमक किस तरह से समाज में तात्कालिक सफलता और अवसरों की तरफ भागने के लिये प्रेरित कर रही है। तय है कि हमारा सामाजिक ताना-बाना इन मासूम महत्वाकांक्षाओं को समाधान देने मे असफल है।

मजदूरों के खाते खुलवाकर साइबर अपराधियों को खाते बेचने वाले गिरोह पकड़े जा रहे है। जल्दी अरबपति बनने की ख्वाहिश,अभावों से जूझने की बजाय गरीबों की मजबूरी और अशिक्षा को लूट का साधन बना लेने की कलाकारियां खतरनाक हो रहीं हैं। पोस्ट आफिस में एक बुजुर्ग पेशनर महिला कज खाते से लाखों रुपया उड़ा लेने वाले पोस्ट आफिस कर्मचारी को भी क्या लालच की गिनीज बुक का रिकार्ड बना रहा है। ये विकृतियां एक जगह नहीं वल्कि समाज के हर हिस्से में दिखाई दे रहीं हैं। हमें एक ऐसे समाज में धकेला जा रहा है जहां थाट और एक्शन के बीच कोई टाईम डिस्टेंस नहीं है। क्रिया के बाद सोचा जा रहा है कि ऐसा क्यों किया गया? ऐसे काल प्रवाह में जब समाज फंसता है तो पछताने का भी अवसर नहीं मिलता,क्या पछतावे के पहले इस आक्रामकता को रोका जा सकता है। समाज सुधारक,लोकप्रिय कथावाचक, राजनीतिक नेतृत्व और कार्यपालिका इस पर विचार करें, हालांकि देर तो हो ही चुकी है।

पहल

संतोष मिश्रा

लेखक जनसंपर्क विभाग
में उप संचालक हैं।

पोर्टल संपदा 2.0: घर बैठे पंजीयन की सुविधा

संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीयन कार्य करने वाले पक्षकारों की 'आधार' बेस्ड ई-केवायसी होगा। इसमें पेन कार्ड का सत्यापन आयकर विभाग के इंटीग्रेटेड सिस्टम पर आधारित होगा। संपत्ति की पहचान यूनिक आईडी से की जा सकेगी। संपत्ति की जियो मैपिंग के आधार पर ही गाइडलाइन दर निर्धारित होगी। इस आधार पर स्वतः ही संपत्ति का मूल्यांकन हो जायेगा। इस सॉफ्टवेयर में ऑटोमेटिक प्रारूप आधारित लेखन की व्यवस्था की गई है। शुल्कों के भुगतान के लिये संपदा वॉलेट मौजूद है। समस्त भुगतान सायबर ट्रेजरी या संपदा वॉलेट से सिंगल क्लिक द्वारा किया जा सकता है। पोर्टल में दस्तावेजों के निष्पादन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल हस्ताक्षर आधारित किया गया है। ई-हस्ताक्षर के साथ ऑटोमेटिकली पक्षकारों का फोटो अटैच होने संबंधित प्रबंध भी सॉफ्टवेयर में किया गया है।

मध्यप्रदेश में विकसित की गई ई-पंजीयन एवं ई-मुद्रांक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली का नवीन संस्करण 2.0 विकसित किया गया है। इससे नागरिकों को और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिली है।

संपदा 2.0 से कोई भी व्यक्ति अब घर बैठे निर्धारित दस्तावेजों का पंजीयन कर सकता है। इसके लिये विभागीय पोर्टल https://sampada.mpigr.gov.in पर कोई भी व्यक्ति स्वयं पंजीकृत होकर अपने दस्तावेज का पंजीयन अथवा ई-स्टाम्प जारी कर सकता है। राज्य सरकार ने इसकी प्रक्रिया को बहुत सरलीकृत कर दिया है। अब दस्तावेजों के पंजीयन के लिये कार्यालय आने अथवा सेवा प्रदाता की सेवाएं लेने की आवश्यकता नहीं रही है।

संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीयन कार्य करने वाले पक्षकारों की 'आधार' बेस्ड ई-केवायसी होगा। इसमें पेन कार्ड का सत्यापन आयकर विभाग के इंटीग्रेटेड सिस्टम पर आधारित होगा। संपत्ति की पहचान यूनिक आईडी से की जा सकेगी। संपत्ति की जियो मैपिंग के आधार पर ही गाइडलाइन दर निर्धारित होगी। इस आधार पर स्वतः ही संपत्ति का मूल्यांकन हो जायेगा। इस सॉफ्टवेयर में ऑटोमेटिक प्रारूप आधारित लेखन की व्यवस्था की गई है। शुल्कों के भुगतान के लिये संपदा वॉलेट मौजूद है। समस्त भुगतान सायबर ट्रेजरी या संपदा वॉलेट से सिंगल क्लिक द्वारा किया जा सकता है। पोर्टल में दस्तावेजों के निष्पादन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल हस्ताक्षर आधारित किया गया है। ई-हस्ताक्षर के साथ ऑटोमेटिकली पक्षकारों का फोटो अटैच होने संबंधित प्रबंध भी सॉफ्टवेयर में किया गया है।

संपदा 2.0 में चयनित दस्तावेजों के लिये फेसलेस पंजीयन का विकल्प भी उपलब्ध है। इसमें पंजीयन कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। दस्तावेजों के इलेक्ट्रॉनिकली प्रेजेन्टेशन एवं वर्चुअल फाइनल करने की सुविधा के साथ कार्यवाही के प्रमाणीकरण के लिये ओटीपी की सुविधा भी दी गई है। इसमें पंजीयन, रिटर्न, रिफ्यूजल की सुविधा भी इलेक्ट्रॉनिकली उपलब्ध है। यह पक्षकारों को वीडियो केवायसी से पंजीयन सुविधा भी देता है। इसमें दोनों मोड (असिस्टेड एवं नॉन असिस्टेड) उपलब्ध है। पंजीकृत दस्तावेजों का केवल इलेक्ट्रॉनिक संस्करण ही संधारित किया जायेगा।

संपदा 2.0 पोर्टल में पक्षकार स्वयं या सेवा प्रदाता के सहयोग से संपत्ति का पंजीयन कर सकता है। इसमें खरीदी या बेचे जाने वाली संपत्ति की पहचान संबंधित विभाग द्वारा प्रदत्त यूनिक आईडी तथा नक्शे पर चिन्हांकित संपत्ति से की जाती है। पक्षकारों की पहचान 'आधार' बेस्ड ई-केवायसी से होती है। पोर्टल में चयनित दस्तावेज के आधार पर विलेख स्वतः तैयार होता है। विलेख के प्रारूप पर इलेक्ट्रॉनिकली सहमति के बाद शुल्क का ऑनलाइन भुगतान होता है। इसके बाद 'आधार' बेस्ड ई-साईन या डिजिटल साइन के द्वारा ऑनलाइन ही दस्तावेजों का निष्पादन हो होता है।

संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीकरण के लिये 3 विकल्प (पारंपरिक रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर, फेसलेस पंजीयन और रिमोट पंजीयन) उपलब्ध कराये गये है। पंजीयन के लिये सुविधा अनुसार कार्यालय में आने के लिये स्लॉट आरक्षित कर सकते है। फेसलेस और रिमोट पंजीयन में एआई आधारित वीडियो केवायसी से प्रत्येक पक्षकार की पहचान एवं लाइवलीनेस चेक किया जा सकता है। इसके द्वारा समस्त स्व-घोषणाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग होती है। इसमें भी नॉन असिस्टेड विकल्प की स्थिति में ऑनलाइन प्रेजेन्टेशन होता है। पंजीयन के लिये स्लॉट बुकिंग के लिये असिस्टेड विकल्प की स्थिति में वर्चुअल इंटरेक्शन के लिये स्लॉट आरक्षण की सुविधा उपलब्ध है।

लाभार्थियों ने साझा किये अपने अनुभव

पंजीयन विभाग की संपदा 2.0 लागू होने के बाद विभिन्न जिलों के लाभार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए इसे सुविधाजनक बताया है। गुना के विष्णु प्रसाद बशैंया ने अनुभव साझा किया कि पूरा काम ऑनलाइन और पहले से अधिक व्यवस्थित रूप से हुआ है। गुना की अंकिता ने बताया कि संपदा 2.0 से कम समय में बेहतर तरीके से काम हो जाना संभव हो गया है। मुझे तुरंत दस्तावेज मेरे मोबाइल पर प्राप्त हो गये है। इसी तरह का अनुभव रतलाम के राकेश पाटीदार का भी रहा। उन्होंने दुकान की रजिस्ट्री संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर से कराई जिसमें गवाह की आवश्यकता भी नही पड़ी और कोई परेशानी नहीं आई। साथ ही रजिस्ट्री भी मोबाइल पर हाथों हाथ प्राप्त हो गई।

चोरी करने वाला नाबालिग पकड़ाया, सामान बरामद

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने चोरी की तीन घटनाओं का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को भी पकड़ा है। जिसने चोरी की तीनों घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की। टीआई कोतवाली रविकांत डहरिया ने बताया कि 6 जून को चंद्रशेखर वार्ड निवासी नितिन आहुजा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि जिला अस्पताल कैंपस स्थित हनुमान मंदिर की दान पेटी से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी की गई। प्रकरण में धारा 457, 380 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई थी। 19 सितंबर को अकलेश धोटे निवासी बड़ा बडोरा, बैतूल ने शिकायत की कि जिला अस्पताल कैंपस से ऑक्सीजन कॉपर पाइप 18 फीट जिसकी कीमत 35 हजार रुपए अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई। अपराध पंजीबद्ध किया गया। 6 दिसंबर को फरियादी बबलू यादव निवासी कोठी बाजार, बैतूल ने रिपोर्ट की कि उनकी मोटरसाइकिल (एमपी 48 जेडएफ 6631) अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई। चोरी की इन घटनाओं को लेकर पुलिस लगातार संदिग्धों से पूछताछ कर रही थी। इसी दौरान एक नाबालिग बालक को हिरासत में लिया गया, जिसने पूछताछ में दान पेटी से चोरी, कॉपर पाइप चोरी और मोटर साइकिल चोरी को अंजाम देना स्वीकार किया। उसके पास से दान पेटी से चुराये गए सिक्के, मोटरसाइकिल और कॉपर वायर बरामद किया गया।

विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को किया लाभान्वित

बैतूल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में डॉ.मोहन यादव का 13 दिसंबर को एक वर्ष का कार्यकाल उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरा रहा है। अपने एक वर्ष के कार्यकाल में मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से बैतूल जिले के हितग्राहियों को लाभान्वित किया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी गौतम अधिकारी ने बताया कि पिछले एक वर्ष में मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत जिले के 4 हजार 661 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 12 हजार 435 हितग्राही, मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में 2 लाख 76 हजार 613 बहनाओं को लाभान्वित किया है। इसी प्रकार पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना में 11 हितग्राही, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना में 225 हितग्राही, स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत 1 हजार 651 हितग्राहियों को लाभान्वित किया है। विभाग द्वारा मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के अंतर्गत 225 हितग्राहियों के आवेदन एवं स्पॉन्सरशिप योजना अंतर्गत 1 हजार 651 बच्चों का चिन्हांकन किया गया। साथ ही 423 आंगनबाड़ी का 4.30 करोड़ की राशि से सुदृढ़ीकरण किया गया। इसके अलावा विगत एक वर्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा जिले में 36 आंगनवाड़ी भवनों की स्वीकृति आयुक्त महिला एवं बाल विकास विभाग भोपाल से प्राप्त की है तथा जिला खनिज मद से 6 आंगनबाड़ी भवन स्वीकृत की गई।

आगामी 5 साल में विभाग की प्रस्तावित कार्य योजना

महिला में बाल विकास विभाग अधिकारी ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आगामी 5 सालों में कार्य योजना प्रस्तावित की गई है, जिनमें भारत सरकार से अनुमति प्राप्त होने पर 2024-25 में नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्वीकृति, मनरेगा कन्वर्जन से आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा विभागीय मद से आंगनबाड़ी केन्द्रों में क्षतिग्रस्त आंगनबाड़ी भवनों का मरम्मत कार्य, बाउंड्री वॉल का निर्माण किए जाएंगे। मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम के माध्यम से चिन्हित गंभीर कुपोषित एवं मध्यम कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाना, स्पॉन्सरशिप तथा मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना अंतर्गत पात्र बालकों की पहचान की जाएगी।

बेटियों के जन्म पर चांदी के लॉकेट और कंबल बांटकर मनाई खुशी

मां शारदा सहायता समिति और योग वेदांत समिति ने मनाया लाड़ली उत्सव

बैतूल। जिला अस्पताल में शुक्रवार को मां शारदा सहायता समिति और योग वेदांत समिति के संयुक्त तत्वावधान में लाडली उत्सव का आयोजन किया गया। समाजसेवी और पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष आनंद प्रजापति के जन्मदिन पर आयोजित इस कार्यक्रम में नवजात बेटियों को देवी लक्ष्मी का प्रतीक मानते हुए चांदी के लॉकेट भेंट किए गए। साथ ही जरूरतमंद माताओं को ठंड को देखते हुए कंबल भी वितरित किए गए। कार्यक्रम संयोजक शैलेंद्र बिहारिया ने बताया कि बेटियों के जन्म पर लाडली उत्सव मनाने का उद्देश्य परिवारों में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आनंद प्रजापति ने कहा कि लाडली बेटी

बधाई योजना समाज में बेटियों के जन्म को उत्सव का रूप देने और उनके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मील का पत्थर साबित होगी। इस आयोजन में मां शारदा सहायता समिति के अध्यक्ष पिंकी भाटिया, संजय शुक्ला, हिमांशु सोनी, महिला अध्यक्ष तूलिका पचोरी, दीप मालवीय, निमिष मालवीय, प्रमिला धोत्रे और योग वेदांत समिति के राजेश मदान व मोहन मदान विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिन नवजात बेटियों को चांदी के लॉकेट भेंट किए गए, उनमें सावित्री भारत जैतापुर, तारावती गब्बर छोटा बासनेर, कविता मुकेश पाढर, यशवंती कैलाश रामनगर, शिवानी बापलेश देलवाड़ा, साधना महेंद्रसिंह कुमारूढाना, कुसुम निलेश जावरा, प्रेमा रामचरण मालावार, मालती दिलीप सियार बोथी और भूमिका नितिन आठनेर शामिल हैं। इस अवसर पर समाजसेवी आनंद प्रजापति ने इस पहल को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से जोड़ते हुए कहा कि यह आयोजन समाज में बेटियों की महत्ता को स्थापित करने का सफल प्रयास है।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज

बैतूल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नईदिल्ली तथा मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार आज 14 दिसंबर को न्यायालय परिसर बैतूल में अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि जिला न्यायालय बैतूल में प्रतिदिन मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के प्रकरणों एवं एन आई एक्ट प्रकरणों के निराकरण के लिए बीमा कंपनी के अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं क्लेमेंट अधिवक्ताओं के साथ प्रीसिटिंगों का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में विभिन्न प्रकरणों में विशेष छूट दी जाएगी।

हजारों ने किया योग, आरोग्य शिविर का भी लिया लाभ

स्वामी परमार्थ देव के सानिध्य में योग-आरोग्य शिविर का शुभारंभ

बैतूल। जिला मुख्यालय पर शुक्रवार की सुबह अद्भुत थी, जब उजाला होने के पहले ही हजारों लोग स्टेडियम के लिए निकल पड़े और संगीत भजन के साथ योग का आनंद लिया और इसके बाद आरोग्य चिकित्सा शिविर में स्वास्थ्य लाभ भी लिया। इस दौरान विधायक एवं नपा अध्यक्ष समेत काफी संख्या में गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे। गौरतलब है कि तीन दिवसीय निशुल्क योग आरोग्य शिविर का शुभारंभ शुक्रवार सुबह 6 बजे आयोजन समिति के संरक्षक और बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, संयोजक सुनील द्विवेदी, पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी सुनील कुबडे, पतंजलि योग समिति सिवनी के प्रभारी प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डॉ. गजेंद्र डहरवाल, राजन पुरी, आनंद प्रजापति, बलराम जसूजा, सुनील गुड्डू शर्मा, संजय पप्पी शुक्ला, संजय द्विवेदी, आशीष पचौरी, हितेश पटेल, विमल दुबे आदि मौजूद थे। दीप

लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान योगपीठ हरिद्वार से मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देवजी, राज्य प्रभारी करण सिंह पवार और डॉ. पुष्पांजलि शर्मा मौजूद थी। दीप प्रज्वलन में योग शिविर प्रज्वलन के बाद योग का सिलसिला शुरू हुआ। स्वामी परमार्थ देवजी के प्रवचन, गायन के साथ योग का सिलसिला कुछ इस तरह चला कि 2 घंटे का समय कब निकल गया, यह किसी को पता ही नहीं चला। इस दौरान विधायक हेमंत खंडेलवाल और नपा अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर ने भी पूरे समय हजारों लोगो के साथ योग किया। अंत में स्वामी जी ने इन सभी को मंच पर बुलाया और इन्हें आशीर्वाद दिया। इस दौरान विधायक हेमंत खंडेलवाल ने अपने संबोधन में कहा कि 14 साल पहले बैतूल को योग गुरु बाबा रामदेव का सानिध्य प्राप्त हुआ था, आज फिर बैतूल को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि उनके परम शिष्य स्वामी डा. परमार्थदेवजी के मार्गदर्शन में हमे योग करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस योग शिविर का 15 से अधिक कस्बों/गांवों में सीधा प्रसारण भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बैतूल में योग के लिए नया केंद्र भी जल्द ही बनाया जाएगा।

जिले के 15 कस्बों और गांवों में लाइव टेलीकास्ट...

बैतूल के लालबहादुर शास्त्री स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय योग शिविर का जिले के 15 कस्बों ओर गांवों में लाइव टेलीकास्ट किया जा रहा है। इन गांवों में भी लोगों ने लाइव टेलीकास्ट देखकर योग किया। योग को लेकर जहां बैतूल शहर में कड़ाके की सर्दी के बावजूद अलसुबह 6 बजे बड़ी संख्या में बच्चे, युवा, महिलाएं, बुजुर्ग पहुंचे थे। वहीं लाईव टेलीकास्ट किए जा रहे गांवों में भी ग्रामीणों में योग को लेकर गजब का उत्साह था। लोगो का उत्साह देखकर लग रहा था कि पूरा बैतूल योगमय हो गया है।

धन्वंतरि भगवान के पूजन के साथ आरोग्य चिकित्सा शिविर का शुभारंभ

सभी गणमान्य अतिथियों एवं प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डा. गजेंद्र डहरवाल एवं गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख डा कैलाश वर्मा, ओम आयुर्वेदिक कॉलेज के डॉ. संदीप पाल, गायत्री परिवार के उत्तम गायकवाड की मौजूदगी में आरोग्य चिकित्सा शिविर का शुभारंभ योग के बाद दीप प्रज्जवलन कर

एवं धन्वंतरि भगवान के पूजन के साथ सुबह 8 बजे किया गया। चिकित्सा शिविर में सभी आयुर्वेद की थेरेपी, पंचकर्म और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रसिद्ध डॉक्टरों द्वारा बीपी, शुगर, अस्थमा, थायराईड, मेरूदंड, नाडी परीक्षण, पेट एवं वात-वायु के रोग आदि का उपचार किया गया। इस दौरान सभी अतिथियों ने विभिन्न स्टालों का अवलोकन भी किया। ऐसा लग रहा था कि स्टेडियम एक आयुर्वेदिक अस्पताल में तब्दील हो गया है जिसकी सभी ने प्रशंसा की। सुबह 8 बजे से ही मरीज के लम्बी कतार लगना शुरू हो गई थी। शाम 5 बजे तक एक हजार से अधिक मरीजों ने उपचार और पंचकर्म का लाभ लिया। गौरतलब है कि तीन दिन तक सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाले शिविर का समापन रविवार 15 दिसंबर को होगा।

तीन दिवसीय नि:शुल्क रोग निदान एवं देश का प्रकृति परीक्षण शिविर प्रारंभ

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार आयुष विभाग द्वारा शुक्रवार को लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में तीन दिवसीय नि:शुल्क रोग निदान एवं 'देश का प्रकृति प्ररीक्षण' शिविर प्रारंभ किया गया। यह शिविर 15 दिसंबर तक लालबहादुर शास्त्री स्टेडियम में आयोजित होगा। जिला आयुष प्रभारी अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि शुक्रवार को आयोजित शिविर में आयुर्वेद पद्धति से 133 जनमानस एवं होम्योपैथी पद्धति से 53 जनमानस इस प्रकार कुल 186 जनमानस लाभान्वित हुए। उन्होंने बताया कि 'देश का प्रकृति प्रशिक्षण' अभियान के अंतर्गत कुल 67 लाभार्थियों का प्रकृति परीक्षण किया गया। उन्होंने जनमानस से शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

कलेक्टर ने सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में प्रदेश सरकार की एक वर्ष की प्रगति और उपलब्धियों पर आधारित जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित अन्य अधिकारियों एवं नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में 13 दिसम्बर को प्रदेश सरकार के एक साल पूरे हो गये हैं। इस एक साल में प्रदेश ने विकास और कल्याण के नये आयाम स्थापित किये हैं। प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, उद्योग, कृषि, सिंचाई, महिला एवं बाल विकास सहित अनेक क्षेत्रों की प्रगति और उपलब्धियों को इस प्रदर्शन के माध्यम से दिखाया गया है।

छह महीने से नहीं हुई चिचोली नगर परिषद की बैठक

पार्षदों की उपेक्षा से नाराज कांग्रेस ने कलेक्टर के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। नगर परिषद चिचोली में अधिकारियों और परिषद अध्यक्ष की मनमानी से नाराज ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजय आर्य, पूर्व विधायक ब्रह्म भलावी, वार्ड क्रमांक 15 की पार्षद नेहा रुपेश आर्य और पूर्व पार्षद रुपेश आर्य ने शुक्रवार को तहसीलदार चिचोली को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में परिषद की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पार्षदों की उपेक्षा, नियमों के खिलाफ हो रहे निर्माण कार्य और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर परिषद चिचोली में पिछले छह महीने से बैठक नहीं बुलाई गई है, जबकि नियमानुसार हर दो महीने में बैठक अनिवार्य है। इससे पार्षद अपने-अपने वार्डों की समस्याओं को परिषद के सामने नहीं रख पा रहे हैं। आरोप लगाया गया कि परिषद की मनमानी के चलते सिर्फ उन्हीं कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिनसे निजी लाभ हो सके। वार्डों में नालियां टूटी होने के कारण गंदा पानी सडक़ों पर बह रहा है, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। जय स्तंभ चौक से वीर दुर्गादास चौक तक बने डिवाइडर पर पुताई और रेडियम न होने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। स्ट्रीट पोल की कटी हुई केबलें सडक़ किनारे पड़ी हैं, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ज्ञापन में बस स्टैंड और वार्ड क्रमांक 9 के तालाब के किनारे बन रही बाउंड्रीवाल पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि निर्माण कार्य में नियमों की अनदेखी करते हुए लाल ईंटों का उपयोग किया जा रहा है, जबकि फ्लाई एश ईंटें लगाई जानी चाहिए थीं। पार्षदों ने इन कार्यों का भुगतान रोकने की मांग की है। यह भी आरोप लगाया गया कि वार्ड क्रमांक 9 में करोड़ों रुपये खर्च कर निजी हित के लिए निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। यहां पर अध्यक्ष के परिवार के स्कूल और अन्य संस्थान हैं, इसलिए इस क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि अन्य वार्डों की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। पार्षद नेहा रुपेश आर्य ने कलेक्टर से मांग की है कि नगर परिषद की कार्यशैली की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। इस ज्ञापन की प्रतिलिपि प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन भोपाल, आयुक्त नर्मदापुरम संभाग और जिला शहरी विकास अभिकरण बैतूल को भेजी गई है।

नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ-साथ आज गुरु दीक्षा तथा विविध संस्कार होंगे संपन्न

बैतूल / भौंरा। सारणी के स्थानीय गायत्री प्रज्ञा पीठ में वार्षिक उत्सव के अवसर पर आयोजित नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ की शुरूआत देव आव्हान एवं पूजन के साथ हुआ। महायज्ञ में 14 एवं 15 दिसंबर को गुरु दीक्षा, पुंसवन, नामकरण, अन्नप्राशन, विद्यारंभ, आदर्श विवाह तथा अन्य सभी संस्कार के साथ-साथ शनिवार को दोपहर में नारी जागरण एवं कार्यकर्ता गोष्ठी तथा रात्रि में दीप महायज्ञ का आयोजन होगा। यज्ञ संचालन के लिए पधारी टोली के प्रमुख अविनाश ने बताया कि 84 लाख योनियों में मानव योनि पाना अत्यंत दुर्लभ तथा सौभाग्य की बात है तथा समर्थ गुरु का और अध्यात्म का अवलंबन मिल जाना उससे भी बड़े सौभाग्य की बात है। धरती के अन्य किसी प्राणी को मनुष्यों के जैसी सुविधा प्राप्त नहीं है। ऐसे सुअवसर का पूरा-पूरा लाभ उठाकर ऐसा उपयोगी जीवन जीना चाहिए, जो मानव समाज के लिए उदाहरण बन सके। उन्होंने कहा कि अहंकार की कार से उतरकर विनम्रता रूपी कार पर जीवन क्रम चलाना चाहिए और अपने संपर्क में आने वाले सभी लोगों से मधुरता और समता का व्यवहार करना चाहिए। गायत्री परिवार ट्रस्ट सारणी के मुख्य प्रबंधक गुलाबराव पांसे ने स्थानीय नागरिकों से कार्यक्रम में समयदान, साधनदान कर पुण्य लाभ उठाने का आग्रह किया है।

वित्तीय जागरूकता एवं प्रतिभूति बाजार में रोजगार के अवसर विषय पर कार्यशाला आयोजित

आज की बचत, कल की सुरक्षा, शुरुआत करें छोटे निवेश से : प्रो.सातनकर

बैतूल। शासकीय महाविद्यालय भीमपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना सम्मिलित इकाई के द्वारा प्रतिभूति बाजार में रोजगार के अवसर विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ.बबीता रॉय ने वित्तीय जागरूकता की आवश्यकता एवं निवेश के महत्व को बताया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी शंकर सातनकर द्वारा छोटी-छोटी बचतों से निवेश की शुरुआत कैसे करें कि जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं सेबी के स्मार्ट ट्रेनर जितेन्द्र ढूंढें द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभूति संस्थान मुंबई के कोना-कोना शिक्षा कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को एसआईपी, म्युचुअल फंड, निवेश के विभिन्न प्रकार जैसे राष्ट्रीय बचत पत्र, सुकन्या समृद्धि योजना एवं अन्य

योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के सहवक्ता आशीष देशभ्रतर ने सेबी, बचत एवं निवेश निवेश के प्रकार आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दी। यह जागरूकता कार्यशाला संस्था में 12 और 13 दिसंबर को आयोजित की गई। जिसमें डिमैट अकाउंट, ट्रेडिंग अकाउंट ओपन करने की जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं के क्विज के माध्यम से कार्यक्रम की रोचकता को बढ़ाया गया। एनआईएसएम के पोस्ट टैस्ट के लिए छात्र-छात्राओं का रजिस्ट्रेशन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सहायक प्राध्यापक लेखराम दर्शिमा द्वारा कार्यक्रम के वक्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम बीए, बीएससी की छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

समन्वित प्रयासों से होगा विन्ध्य क्षेत्र का चहुंमुखी विकास: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

मुख्यमंत्री 5041 करोड़ की सीतापुर-हनुमना सूक्ष्म दाब सिंचाई परियोजना का शीघ्र करेंगे शिलान्यास

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र में विकास के सभी संसाधन और अपार संभावनाएं हैं। क्षेत्र के विकास के लिए स्वीकृत योजनाओं की सभी बाधाएं अधिकारी समन्वय बनाकर दूर करें। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के समन्वित प्रयासों से ही विन्ध्य क्षेत्र का चहुंमुखी विकास होगा। कलेक्ट्रेट रीवा के मोहन सभागार में रीवा संभाग की विकास परियोजनाओं की उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सतना में बरगी बांध और सिंगरौली और सीधी में गोड़ सागर परियोजनाओं को पूरा करने के लिए सभी बाधाओं को दूर करें। उन्होंने कहा कि गोविंदगढ़ से सिंगरौली तक रेलवे लाइन निर्माण के लिए भू अर्जन की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। इससे रेल परियोजना के कार्य में तेजी आएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मऊगंज में 5041 करोड़ की सीतापुर-हनुमना सूक्ष्म दाब सिंचाई परियोजना का शिलान्यास कर रहे हैं। इस परियोजना से मऊगंज जिले के अधिकांश क्षेत्र, सीधी, सिंगरौली एवं रीवा जिले के गांवों में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इसका मुख्य बांध

सोन घड़ियाल अभ्यारण्य में प्रस्तावित है। वन विभाग और जल संसाधन विभाग मिलकर परियोजना के संबंध में समस्त स्वीकृतियाँ जारी कराएं जिससे कार्य शुरू हो सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विधायक निधि से स्वीकृत 15 करोड़ रुपए के निर्माण कार्यों की राशि लोक निर्माण विभाग तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग को जारी करने के लिए वरिष्ठ कार्यालयों का ध्यान आकृष्ट किया जाएगा।

ग्रामीण विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह ने सीधी से सिंगरौली फोरलेन सड़क निर्माण का कार्य तेजी से पूरा कराने एवं सिंगरौली जिले में पुलिस बल में वृद्धि तथा पड़री बांध की नहरों को पक्का करने की बात रखी। अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा महानिदेशक प्रशासन अकादमी श्री जेएन कंसोटिया ने कहा कि संभागीय बैठक में दिए गए सभी सुझावों और मांगों पर संबंधित विभाग तत्परता से कार्यवाही करें। विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की देरी न करें। नगरीय विकास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक चित्रकूट श्री सुरेन्द्र सिंह गहरवार, विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक, विधायक मनगवां श्री नरेन्द्र प्रजापति, विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह, विधायक देवसर श्री राजेन्द्र मेश्राम, विधायक सिंगरौली श्री रामनिवास रावत, विधायक सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न जनहित के विषयों में अपनी बात रखी। कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी एमएस सिकरवार, डीआईजी एसपी पाण्डेय, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इंदौर में डीएफओ ने किया सुसाइड

सरकारी आवास में लगाई फांसी, 7 महीने बाद होने वाले थे रिटायर

इंदौर। इंदौर में डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी ने सुसाइड कर लिया। शुक्रवार शाम को उनका शव उनके सरकारी बंगले पर मिला है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक सुसाइड की वजह पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पलासिया थाना पुलिस उनके नवरतन बाग स्थित सरकारी बंगले पर पहुंची। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। वन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस के मुताबिक महेंद्र सिंह सोलंकी दिन में 12 बजे से घर पर ही थे। वे एक बैठक में तबीयत का हवाला देते हुए शामिल नहीं हुए थे। उन्होंने अपने असिस्टेंट से दवाईयां भी मंगाई थी।

एडिशनल सीपी अमित सिंह ने बताया-डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी ने शुक्रवार शाम करीब 4.30 बजे घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सुसाइड करने की वजह का पता नहीं चल पाया है।

खंडवा जिले में वन भूमि पर अतिक्रमण हटाने गए वनकर्मियों पर हमला, पथराव में एक गंभीर घायल

खंडवा (नप्र)। गुड़ी वन परिक्षेत्र में हजारों हेक्टयर वनभूमि को कब्जा मुक्त करने के लिए वन विभाग की टीम जंगल में दो दिनों से कार्रवाई कर रही है। शुक्रवार सुबह सरमेश्वर वन परिक्षेत्र में नवाड़ की जमीन से कब्जा हटाने के लिए 46 वनकर्मियों का दल गया था।

वनकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया- वन भूमि में प्रवेश रोकने के लिए खंती खोदने का कार्य पोकलेन मशीन से करवाया जा रहा था। इसी दौरान सुबह करीब साढ़े दस बजे अतिक्रमणकारियों ने वनकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए हमले से वहां भगदड़ मच गई। पथराव में वन रक्षक संजय सिंह तोमर के सिर में पीछे की ओर पत्थर लगने से वह बेहोश हो गया। घटना में पांच-सात अन्य कर्मचारी भी घायल हुए हैं। गंभीर चोट लगने से वन रक्षक सिंह को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

बिना अनुमति के जुलूस, धरना व प्रदर्शन करने पर लगा प्रतिबंध- खंडवा मेंअपर जिला दंडाधिकारी केआर बड़ोले ने जिले में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत

प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार सायबर अपराधों की घटनाओं को रोकने के लिए साइबर कैफे में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। इसकी कम से कम एक महीने तक रिकार्डिंग सुरक्षित रखना होगी। इसकी जिम्मेदारी सायबर कैफे संचालक की होगी।सायबर कैफे में कार्यरत कर्मचारियों की पूरी जानकारी परिचय पत्र व फोटो सहित निकटतम पुलिस थाने में जमा कराना होगी। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित के विरुद्ध धारा 223 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

आष्टा आत्महत्या मामला, सबनानी ने कहा

पटवारी का षड्यंत्र नकारा नेतृत्व को छिपाने और सुर्खियां बटोरने के लिए

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के सत्यहीन एवं तथ्यहीन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आत्महत्या हो या मृत्यु, यह अत्यंत दुखद है और यह शोकमय परिवार पर वज्रपात है। भारतीय जनता पार्टी इस दुख की घड़ी में शोकमय परिवार तथा बच्चों के साथ संवेदनशीलता के खड़ी है। यह अत्यंत दुखद एवं निंदनीय है कि कांग्रेस को इस दुख की घड़ी में भी राजनैतिक अवसर और स्वार्थ दिखाई देता है। कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पीड़ित परिवार के भोले-भाले बच्चे को पहले अलग ले जाकर बरगलाया, फिर उससे प्रश्नोत्तर की शैली में भाजपा पर तथ्यहीन, सत्यहीन, अनर्गल आरोप लगवाए, यह कांग्रेस द्वारा जारी वीडियो में स्पष्ट दिखाई देता है। जीतू पटवारी का यह कृत्य स्वयं के नकारा नेतृत्व को छिपाने और सुर्खियां बटोरने के प्रयास के अलावा कुछ भी नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष माफी मांगे अन्यथा कानूनी कार्यवाही की जाएगी

भाजपा प्रदेश महामंत्री व विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने कहा कि मध्यप्रदेश एवं देश में हाशिए पर पहुंच चुकी कांग्रेस राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए निम्न स्तर पर गिर गई है कि उसे किसी व्यक्ति की मृत्यु व आत्महत्या में भी राजनैतिक स्वार्थ और अवसर दिखाई दे रहा है। जीतू पटवारी की यह घृणित व निदंनीय राजनीति उनके नैतिक पतन और मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। जीतू पटवारी की स्तरहीन राजनीति की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार के आत्महत्या के मामले की जांच होगी और उसके कारण भी सामने आएंगे। जीतू पटवारी शोकाकुल परिवारजनों के घर संवेदना व्यक्त करने जाते हैं और फिर वहां बच्चे को बहलाकर बरगलाते है, जो यह नहीं जानता कि मैं किनकी बात कर रहा हूं। जीतू पटवारी को अपने असत्यहीन बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए, नहीं तो भाजपा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही करेगी।

ग्वालियर के अधिराज ने पोखरा में फिर रचा इतिहास जीता चौथा इंटरनेशनल टाइटल

आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर्स 30 पोखरा के युगल फाइनल में दर्ज की जीत

भोपाल (नप्र)। ग्वालियर के टेनिस स्टार अधिराज ठाकुर ने नेपाल के पोखरा में आइटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर 'जूनियर्स 30 पोखरा' में लगातार दूसरे सप्ताह इंटरनेशनल टाइटल जीतकर इतिहास रच दिया है। उनके 10 साल के टेनिस कैरियर में ये चौथा इंटरनेशनल टाइटल है। 16 वर्षीय इस खिलाड़ी की जोड़ी, पिछले सप्ताह (2 से 7 दिसंबर) इसी कोर्ट पर आदित्य मोर-प्रकाश सरन की भारतीय जोड़ी को 6-2, 6-1 हराकर चैंपियन बनी थी।

नेपाल के पोखरा में 9 से 14 दिसंबर तक आयोजित इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन की वर्ल्ड टेनिस टूर 'जूनियर्स 30 पोखरा' में शीर्ष वरीयता प्राप्त अधिराज ठाकुर-आदित्य मोर की जोड़ी ने शुक्रवार को भी तेज तर्रार खेल जारी रखा। इस जोड़ी ने दूसरी वरीयता प्राप्त आरव चावल व ओजस मेहलावत की। जोड़ी को 7-6,6-2 से हराया मैच के साथ युगल टाइटल पर कब्जा कर लिया।

उप पंजीयक अंजली मिश्रा के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज

देवास। उप पंजीयक देवास अंजली मिश्रा एवं प्राइवेट व्यक्ति राहुल प्रजापत के विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत एफ.आई.आर. दर्ज-- भ्रष्टाचार के विरुद्ध डीजी लोकायुक्त श्री जयदीप प्रसाद के निर्देशन में अभियान जारी है। इसी क्रम में आवेदक शीतल गहलोत निवासी बजरंग नगर देवास ने दिनांक 11/12/24 को लोकायुक्त में शिकायत की थी कि मेरे द्वारा बालाजी सर्विस प्रोवाइडर के नाम से रजिस्ट्री का कार्य किया जाता है।मेरे कार्यालय से की गई रजिस्ट्री लेने गया तो अंजली मिश्रा ने 1500/- रूपये रिश्वत की मांग की।

शिकायत का सत्यापन प्रभारी स्क्वाजेश पाठक ने डीएसपी सुनील तालान से कराया तो शिकायत सही पाई गई। इसलिए धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988(संशोधन 2018) एवं 61(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत अंजली मिश्रा एवं राहुल प्रजापत के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर विवेचना जारी है।

औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने महिला के साथ छेड़छाड़ के आरोपी को 24 घंटे में किया गया गिरफ्तार

देवास। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के देवास में पद सम्भालने के बीते दो माह में पुलिस की बदली हुई कार्यशैली से एक तरफ जहां अपराधियों में खौफ का माहौल है वहीं पीड़ित आम नागरिको को त्वरित मदद मिलने से लोग राहत महसूस कर रहे है। जानकारी के अनुसार दिनांक 11.12.2024 को एक फरियादिया नें औद्योगिक क्षेत्र आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी मनीष चौहान 19 वर्ष जो पहले से उसका परिचित था,ने महिला की सहमति के बिना उसकी फोटो खींच ली थी । आरोपी ने महिला को परेशान करने और धमकाने का प्रयास किया । महिला द्वारा आरोपी से बातचीत बंद करने पर आरोपी ने सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी । जब पीड़िता ने इसका विरोध किया और अपने परिवार को घटना की जानकारी दी तो आरोपी मनीष अपने साथियों के साथ पीड़िता के घर पहुंचा और गाली-गलौच करते हुए मारपीट की । आरोपी ने महिला के पड़ोसी पप्पू और पीड़िता के भाई को लोहे की रॉड से चोट पहुंचाई । रिपोर्ट पर से थाना औद्योगिक क्षेत्र में अपराध क्रमांक 1299/24 धारा 74,78,296,115(2),351(3) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद के द्वारा आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये थे । जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक श्री दीशेष अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र श्री शशिकांत चौरसिया के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया ।

पुलिस द्वारा 24 घंटे के भीतर सूदखोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

फरियादी को डरा धमकाकर ब्लैंक चैक एवं ज्वेलरी हड़प ली थी आरोपी ने

भोपाल। थाना कटारा हिल्स अंतर्गत दिनांक 12.12.2024 को फरियादी अर्पित अहिरवार पिता सुरेश अहिरवार उम्र 26 साल निवासी म.न.367 हेवन्स लाईफ कालोनी कटारा हिल्स भोपाल ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट किया कि मुझे पैसे की आवश्यक्ता होने से मेरे पड़ोस मे रहने वाले नरेन्द्र रघुवंशी जो ब्याज पर पैसा देते है जिनका बड़े पैमाने पर ब्याज का कारोबार चलता है, से अपनी जरुरत के लिए दिनांक 23/11/21 से 22.10.2024 तक कुल 09 लाख 15 हजार 500 रुपये ऑनलाईन उधार लिये थे जिसने चक्रवृद्धी ब्याज लगाकर 09 लाख पाँच हजार रुपये अपने बैंक अंकाउट से दे चुका हूँ एंव ब्याज के 3 लाख रुपये अलग से नगद दे चुका हूँ ।

पेंमेन्ट लेने के बाद नरेन्द्र रघुवंशी ने बोला कि तुम्हारे उपर ब्याज के 13 लाख 23 हजार रुपये और निकलते है नरेन्द्र रघुवंशी मेरे घर आकर मुझे व मेरे पापा को धमकाता व माँ बहन की गंदी गंदी गलीया देने लगा था नरेन्द्र रघुवंशी अक्सर अपनी कमर पर पिस्टल टांगकर मुझे बोलता था कि मेरे ब्याज के पैसे नही दिये तो मे तुझे गोली मार दूगाँ उसकी इस धमकी के डर से मैने व मेरे परिवार के लोगो से उसने जबरदस्ती डरा धमकाकर अनुबंध कराया एवं ब्याज के बदले में मेरी माँ के सोने के गहने ले लिये एवं मेरे एसबीआई बैंक के पाँच ब्लैक चैक एंव मेरी माँ के को-आँपरेटिव बैंक के दो ब्लैक चैक एवं मेरे भाई के एसबीआई बैंक के दो चैक जिसमें तीन लाख पचास हजार रुपये की राशि भरवाकर हस्ताक्षर कराकर ले लिये है कि रिपोर्ट पर थाना कटारा हिल्स पर अपराध क्रमांक 271/2024 धारा 3/4 कर अधिनियम 119(1),296,351(3) बीएनएस 2023 कायम कर विवेचना में लिया गया था ।

कार्यवाही- घटना की गम्भीरता के दृष्टिगत रखते हुये श्री हरिनारायणाचारी मिश्र पुलिस आयुक्त भोपाल, श्री अवधेश गोस्वामी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के दिशा निर्देश पर श्री डॉ.संजय कुमार अग्रवाल पुलिस उपायुक्त जोन 02 तथा अति.पुलिस उपायुक्त श्री महावीर सिंह मुजाल्दे एवं सहायक पुलिस आयुक्त मिसरोद संभाग श्री डॉ.रजनीश कश्यप के मार्गदर्शन पर आरोपी की पतारसी हेतु थाना प्रभारी बिजेन्द्र निगम के नेतृत्व में थाना कटारा हिल्स से पुलिस टीम गठित की गई ।

टीम द्वारा आरोपी नरेन्द्र रघुवंशी की तलाश पर टीम रवाना की गई एवं टीम द्वारा आरोपी को पकड़ा गया जिसका नाम पता पूछा गया जिसने अपना नाम नरेन्द्र रघुवंशी पिता मदन सिंह रघुवंशी उम्र 39 साल निवासी फ्लैट न. ई-03 हेवन्स लाईफ कटारा हिल्स भोपाल को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई जिसने घटना कारित करना स्वीकार किया जिससे घटना में प्रयुक्त नकली पिस्टल एवं सोने के आभूषण एवं फरियादी द्वारा दिये गये बैक के चैक जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपी- नरेन्द्र रघुवंशी पिता मदन सिंह रघुवंशी उम्र 39 साल निवासी फ्लैट न. ई-3/3 हेवन्स लाइफ कटारा हिल्स भोपाल ।

कुल कीमती मशरुका- सोने के आभूषण कुल कीमती 03 लाख रुपये- सराहनीय कार्य- थाना प्रभारी बिजेन्द्र निगम,उनि उनि कुशलेन्द्र सिंह ,सउनि निर्मल सिंह सिंह,सउनि राकेश सिंह परिहार ,प्रआर 1460 दीपक मालवीय ,आर.2985 सुभाष पटेल,आर 3624 जितेन्द्र दांगी ,आर 2048 संतोष चौहान , आर 3723 परसराम ,आर 2430 राजेश कुमार ,आर. 1915 मुकेश कुमार सराहनीय भूमिका रही ।

जूआ ,सट्टा, शराब ,भू माफियाओं का बन रहा प्रदेश कांग्रेस विधानसभा का 16 को करेगी घेराव

देवास। 16 दिसंबर को भोपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में एवं वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के असफलतम 1 वर्ष पूरे होने पर 50 हजार कांग्रेस जनों द्वारा विधानसभा का घेराव किया जाएगा। उक्त बात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विधायक प्रभारी श्री महेश परमार ने शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहे।

श्री परमार ने कहा कि आज प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है प्रदेश में भू माफिया, जू वा, सट्टा , शराब,अवैध काम करने वाले वाले लोग फल फूल रहे हैं। एक तरह से कानूनी व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है प्रदेश अपराधियों की शरण स्थली बना हुआ है । महंगाई की बात करें तो सरकार का महंगाई पर नियंत्रण नहीं है चुनाव में भाजपा ने लोगों से बड़े-बड़े वादे किए लेकिन उन वादो को पूरा करने में सरकार पूरी तरह से असफल हुई है।

भाजपा लोगों को आपस में लड़ाने और नफरत फेलाने की राजनीति कर रही है। साथ ही विधानसभा के चुनाव हो या लोकसभा के चुनाव हो नगरीय निकाय के चुनाव हो या पंच सरपंच के भाजपा तानाशाही दबंगाई अपना कर लोकतंत्र प्रणाली पर प्रहार कर रही है। शासन प्रशासन पर दबाव

बनाकर वह चुनावी प्रक्रिया पर हस्तक्षेप कर रही है जो कि लोकतंत्र पर खतरा बनी हुई है। एक तरह से संविधान खतरे में है संविधान के साथ छेड़छाड़ कर अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के लोगों का आरक्षण पर कुठाराघात किया जा रहा है।

परमार ने कहा कि जनहित के मुद्दों और जनता की आवाज बुलंद करने को लेकर 16 दिसंबर को प्रदेश कांग्रेस का प्रदेश व्यापी विधानसभा घेराव होगा प्रदेश की भाजपा सरकार में गरीब और मध्यवर्गीय हर स्तर पर समस्याओं से जूझ रहा है। महिलाओं को 3000 रूपये से बड़ा कर मुख्यमंत्री द्वारा 5000 रुपए देने की बात हो उनके सम्मान और सुरक्षा की बात हो किसानों को धान की 3100 रुपए और गेहूं के 2700 रुपए समर्थन मूल्य की बात हो 450 रुपए का गैस सिलेंडर देने की बात हो युवाओं की शिक्षा नौकरी और रोजगार की बात हो प्रदेश में व्यापक स्तर पर हो रहा है भ्रष्टाचार की बात हो, कर्मचारियों के साथ हो रहे छल कपट की बात हो प्रदेश में व्याप्त बे हताश महंगाई की बात हो या लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की बात हो जनहित के मुद्दों को लेकर जनता की आवाज को बुलंद करने का काम कांग्रेस पार्टी करेगी। इसी के साथ श्री महेश परमार कहा कि आप बताइए की 1 वर्ष में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने देवास को क्या सौगात दी या आपके जनप्रतिनिधि क्या सौगात दिला पाए ।

यह सब आपके सामने है इन्हीं सब मुद्दों को लेकर हम आंदोलन कर रहे हैं हमारा अनुरोध है कि आप लोग हमारा साथ दे। पत्रकार वार्ता में शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी ने कहां की देवास शहर एवं जिले से हजारों कार्यकर्ता भोपाल जाएंगे और आंदोलन में भाग लेंगे। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पटेल पूर्व महापौर जय सिंह ठाकुर रेखा वर्मा भगवान सिंह चावड़ा प्रदीप चौधरी शौकत हुसैन सुधीर शर्मा प्रमोद सुमन कल्याण सिंह पवार इम्तियाज शेख भल्लू पंकज वर्मा संतोष मोदी डॉ रितेश शर्मा राधा किशन सोलंकी सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे।

थाना नाहर दरबाजा से 15 माह पूर्व अपहृत नाबालिग बालिका को 900 कि.मी. दूर कोल्हापुर से सकुशल ढूंढकर परिजनों के चेहरों पर लौटाई मुस्कान

देवास/मोहन वर्मा। ऑपरेशन मुस्कान के तहत देवास पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद के द्वारा समस्त थानो को लंबे समय से अपहृत नाबालिक बालक/बालिका को मिशन स्तर पर ढूढने हेतु निर्देशित किया है । इसी क्रम मे थाना नाहर दरवाजा के अपराध क्रमांक 297/2023 धारा 363 भादवि की नाबालिक बालिका घर से बिना बताये कही चली गई थी । जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन मे नगर पुलिस अधीक्षक देवास श्री दीशेष अग्रवाल के निर्देशन मे थाना प्रभारी नाहर दरवाजा श्रीमती मंजु यादव के नेतृत्व मे पुलिस टीम लगातार मुखबिर, सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यो के आधार पर सक्रिय थी।

पुलिस को अहम सूचना प्राप्त हुई कि उक्त नाबालिक बालिका को जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र में देखा गया है । जिस पर तत्काल पुलिस के द्वारा विशेष टीम को रवाना किया गया है । उक्त टीम के द्वारा नाबालिक बालिका को दिनांक 12.12.2024 को जिला इन्दौर से सकुशल ढूंढकर परिजनों के सुपुर्द किया गया । प्रकरण मे नाबालिक बालिका द्वारा दिये गये पुलिस कथन एवं माननीय न्यायालय के समक्ष बतलाये गये साक्ष्यो के आधार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

उल्लेखनीय है कि पुलिस कप्तान देवास श्री पुनीत गेहलोद के अनुसार इस वर्ष 2024 में देवास पुलिस द्वारा कुल 260 अपहृत नाबालिक बालक/बालिकाओं के अपराध पंजीबद्ध किये जाकर उनमें से कुल 255 बालक/बालिकाओं को परिजनों के सुपुर्द किया गया । पुलिस अधीक्षक ने उल्लेखनीय कार्य करने वाली समस्त टीम को प्रशंसित करते हुए आगामी प्रकरणों में और अधिक दक्षता से कार्य करने हेतु प्रेरित किया ।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी और पीड़िता की मॉ को 20-20 वर्ष का कारावास

भोपाल। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में राजधानी की विशेष अदालत ने आरोपी और पीडिता की मॉ को 20-20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. मामले में पीडिता की मा के सामने आरोपी ने दरिदगी की थी.

संभागीय जनसम्पर्क अधिकारी मनोज त्रिपाठी, भोपाल ने बताया कि दिनांक माननीय न्यायालय श्रीमती कुमुदिनी पटेल विशेष न्यायधयाधीश पॉक्सो एक्ट, के द्वारा नाबालिक बालिका से दुष्कर्म करने वाले आरोपीगण कमल सिंह व भावना पटेल को धारा 376(2) एल, एफ, 120-बी भादवि एवं धारा 5 एल, एन/6, 9एन/10 पॉक्सो एक्ट दोषसिद्ध पाते हुये आरोपी कमल सिंह को धारा 376(2) एल एवं 376 (2) एफ भादवि 5 एल, एन/6, एवं 9एन/10 पॉक्सो एक्ट मे 20-20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000-1000 रू अर्थदण्ड एवं आरोपिया भावना पटेल को धारा 376/120-बी भादवि एवं 5एल,एन/17 पॉक्सो एक्ट मे 20-20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000-1000 रू अर्थदण्ड से दण्डित का निर्णय पारित किया है। अभियोजन के अनुसार 09.05.22 को अभियोक्त्री ने थाना ऐशबाग मे उपस्थित होकर एक टाईपशुदा आवेदन प्रस्तुत कर शिकायत की आरोपी कमल सिंह उसके पापा के दोस्त है, जिसे वह बचपन से जानती है। कमल सिंह का अक्सर उसके घर आना-जाना रहता है। कमल सिंह ग्वालियर के रहने वाला है, लेकिन जब भी वह अपने काम से भोपाल आता था, उसके घर मे ही रूकता था। 04.11.17 को कमल उसके घर आया था तब वह करीबन चार माह घर मे रूका था। उसकी समय 26.11.17 मे रात करीबन 7:00 बजे उसके पापा जॉब पर गये थे तथा भाई भी घर पर नहीं था तब कमल सिंह ने उसके साथ जबरदस्ती करने लगा और कहने लगा 'मैं तुझे पसंद करता हूं और तुझसे शादी करूंगा, उस समय आरोपिया भावना जो कि अभियोक्त्री की माता है उसके सामने बैठी हुई थी और उनके सामने ही आरोपी कमल को मना करने के बाद भी उसके साथ गलत काम किया, मैं चिल्ला रही तो आरोपिया भावना ने मेरा मुंह पर हाथ रख लिया था। डर के कारण तब उसने यह बात किसी को नहीं बताई थी। कमल ने कई बार उसके साथ उसके घर मे ही उसके साथ जबरदस्ती की है और उसकी मम्मी आरोपिया भावना को इस बारे मे सारी जानकारी थी। उसने मम्मी को कई बार कहा कि उसे अच्छा नहीं लगता तो उसकी मम्मी ने कहा कि कुछ नहीं होता वह तुझसे शादी करेगा। कमल अक्सर उसके घर आता रहता है और 10-15 दिन के लिये घर मे रूक कर जाता है और उसके साथ गलत काम करता है। मार्च के माह मे भी कमल घर आया हुआ था, 09.03.22 शाम करीबन 06:00 बजे उसकी मम्मी मार्केट गई हुई थी तब कमल ने उसके मना करने के बाद भी उसके साथ गलत काम किया। दिनांक 14.03.22 को वह अपनी बुआ की बेटी के घर आ गई तब से वह दीदी के यहां ही रह रही है। उसने दीदी को सारी बात बताई। उक्त घटना के आधार पुलिस थाना ऐशबाग पर अपराध क्रमांक 223/22 धारा 376-डी, 376(2)एन भादवि व 5/6 पॉक्सो एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवचेना मे लिया गया। सम्पूर्ण विवेचना उपरान्त अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया । माननीय न्यायालय द्वारा अभियोजन के साक्ष्य, तर्को एवं दस्तावेजों से सहमत होते हुऐ आरोपी कमल सिंह को धारा 376(2) एल एवं 376 (2) एफ भादवि 5 एल, एन/6, एवं 9एन/10 पॉक्सो एक्ट मे 20-20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000-1000 रू अर्थदण्ड एवं आरोपिया भावना पटेल को धारा 376/120-बी भादवि एवं 5एल,एन/17 पॉक्सो एक्ट मे 20-20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000-1000 रू अर्थदण्डप से दण्डित का निर्णय पारित किया है।

महिला बाइक रैली 'राइड फॉर रिस्पेक्ट' 15 को

100 से ज्यादा महिलाएं होंगी शामिल स्लोगन के आधार पर मिलेगा प्राइज

भोपाल (नप्र)। महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बढ़ते रेप के मामलों को लेकर 'राइड फॉर रिस्पेक्ट' महिला बाइक रैली का आयोजन 15 दिसंबर को किया जाएगा। सलोनी ग्रामीण सोसाइटी द्वारा आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा महिलाएं भाग लेंगी।

आयोजन समिति से सलोनी ने बताया कि यह रैली सुबह 8 से 11 बजे तक चलेगी और यह 10 नंबर स्थित राग भोपाली परिसर से शुरू होकर अटल पथ तक जाएगी। सलोनी ने कहा कि इस आयोजन में स्लोगन के आधार पर हम विनर्स अनाउंस करेंगे।

ब्लैक ड्रेस में महिलाएं होंगी शामिल

सलोनी कहती हैं कि यह महज एक रैली से कहीं अधिक है, यह एक शक्तिशाली आंदोलन है। हम सभी महिलाओं से कहना चाहते हैं कि बाइक और स्कूटर पर निडर महिला सवार के रूप में एक साथ आएं, बलात्कार के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं, महिला सुरक्षा की मांग करें और सशक्तिकरण का जश्न मनाएं।

महिलाएं सम्मान, समानता और भय से मुक्त रहने का अधिकार चाहती हैं। वे ब्लैक ड्रेस कोड के साथ आएं। कार्यक्रम में शहर की कई जानी-मानी हस्तियां भी शामिल होंगी।

जल क्रांति का नारा असत्य प्रोपगंडा है : जीतू पटवारी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपने वक्तव्य में जल जीवन मिशन द्वारा जल क्रांति के नारे को असत्य प्रोपगंडा बताया है। सरकार का यह दावा जिसमें 70 लाख 86 हजार 293 घरों में कनेक्शन की बात क ही गई है जो पूर्णता असत्य है इसकी प्रामाणिकता के लिए गांवो का दौरा करके देखा जा सकता है ।

जल जीवन मिशन में एक तरफ से योजनाएं गांव में चालू हो रही है लेकिन छोटी-छोटी यांत्रिक गड़बड़ियों के कारण योजनाएं बंद हो रही है, अनेक स्थानों पर आधे गांव में पानी चालू है आधे गांव में बंद है हजारों गांवों के मंजरे टोलों में नल कनेक्शन नहीं दिए गए हैं। योजना में काम कर रहे ठेकेदारों की दो-दो साल से पेमेंट नहीं हुए हैं जिसके कारण योजनाओं का काम धीमा पड़ गया है।

श्री पटवारी ने भाजपा द्वारा 50 लाख हेक्टेयर जमीन पर सिंचाई सुविधाओं के दावे को असत्य कहा है । श्री पटवारी ने कहा किसानों ने अपने प्रयासों से अपने धन से सिंचाई योजनाओं को बढ़ाया है निजी क्षेत्र के किसानों द्वारा असंख्य नलकूप होने से सिंचाई क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है भाजपा सरकार इसे अपने प्रयास बता रही है वस्तु स्थिति यह है कि प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं की क्षमता का प्रयोग कम हुआ है अधिकांश परियोजनाओं में नहरे चकनाचूर हो गई है ,बांधों में सीपेज बहुत अधिक हो रहा है। पार्वती, काली, सिंध, चंबल, अंतर्राज्यीय नदी लिंक परियोजना केन बेतवा लिंक परियोजना का डिंडोरी पीटा जा रहा है जिसमें अनावश्यक विलंब हो रहा है।

ओपन बोर्ड की 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं 18 को होंगी शुरू

भोपाल (नप्र)। राज्य ओपन बोर्ड की परंपरागत 10वीं व 12वीं, 'रुक जाना नहीं' योजना के तहत दूसरे अवसर की परीक्षाएं 18 दिसंबर से शुरू होंगी। ये परीक्षाएं छह जनवरी तक चलेंगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में फेल हुए विद्यार्थियों के लिए 'रुक जाना नहीं' योजना के तहत परीक्षा आयोजित की जाती है।

इसमें दो बार परीक्षा होती है। मई-जून में आयोजित इस परीक्षा में फेल हुए विद्यार्थियों के लिए दूसरा अवसर दिया जाता है। इसमें सबसे अधिक 'रुक जाना नहीं' योजना के तहत प्रथम अवसर में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी शामिल होंगे।

278 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं- इसमें 10वीं व 12वीं के करीब 81 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके अलावा राज्य ओपन बोर्ड की परंपरागत 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं, मदरसा बोर्ड, सीबीएसई ऑन डिमांड सहित अन्य परीक्षाएं होंगी। प्रदेश के 56 जिलों के 278 परीक्षा केंद्रों पर सभी परीक्षाओं में करीब 92 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे।

रीवा में डिलीवरी डेट के बाद सोनोग्राफी की डेट दी

पति बोला-3 दिन से अस्पताल के चक्कर काट रहा डीन बोले- मामला उन तक नहीं पहुंचा

रीवा (नप्र)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में एक महिला को डिलीवरी की तारीख देने के तीन दिन बाद सोनोग्राफी के लिए बुलाया गया है। डॉक्टर ने महिला को 23 दिसंबर की डिलीवरी की डेट दी है वहीं सोनोग्राफी के लिए 26 दिसंबर को बुलाया है। महिला के पति का कहना है कि वह तीन दिनों से लगातार अस्पताल में चक्कर काट रहा है। पत्नी को लाकर अस्पताल में भर्ती करवा दिया है। गर्भावस्था का 9वां महीना चल रहा है। कोई सुनने वाला नहीं है। महिला के पति प्रेम तिवारी ने अस्पताल में चल रही अव्यवस्थाओं को लेकर चिंता जाहिर की।

महिला के पति प्रेम तिवारी ने बताया कि मेरी गर्भवती पत्नी किरण तिवारी की डिलीवरी 23 तारीख को होनी है। जबकि सोनोग्राफी के लिए पर्ची में 26 दिसंबर की तारीख दे दी गई है। पत्नी को समस्या ज्यादा हो रही है इसलिए सोनोग्राफी करवाना चाहते थे, लेकिन कोई इलाज नहीं हो रहा है। मरीज को दिक्कत है जबकि डॉक्टर बोल रहे हैं कि कोई विशेष दिक्कत नहीं है। अब बाहर सोनोग्राफी करवाने के लिए पत्नी को ले जाने की सोच रहा हूं। लेकिन उसकी खराब हालत की वजह से ले जाना भी मुश्किल है। पूरे मामले में संजय गांधी अस्पताल के डीन सुनील अग्रवाल का कहना है कि सोनोग्राफी की सेवा इमरजेंसी के लिए 24 घंटे खुली रहती है। मेरे संज्ञान में अभी तक ऐसी कोई बात सामने नहीं आई है। किसी भी पेशेंट को सोनोग्राफी के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनकल्याण पर्व पर

भोपाल संभाग के 4 जिलों में 758 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का भूमि-पूजन,लोकार्पण

सीएम बोले- राजधानी में विक्रमादित्य-भोज द्वार बने

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार अपनी सरकार के एक साल पूरे होने पर भोपाल संभाग के कुल 758 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हुए कार्यक्रम में भोपाल के कुल 5 विकास कार्यों का भूमि पूजन हुआ। इनकी लागत 17.59 करोड़ रुपए है।

सीएम ने भोपाल के अलावा रायसेन, विदिशा, राजगढ़ और सीहोर जिलों के भी विकास कार्यों का भी वर्चुअली भूमि पूजन और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल आने वाले रास्तों को गौरवशाली अतीत से जोड़ने की जरूरत है। भोपाल प्रवेश के लिए एक द्वार राज विक्रमादित्य के नाम पर बनाया जाना चाहिए। जिन्होंने भोपाल से निकलकर पूरे देश में पहचान बनाई। ऐसे ही एक द्वार राज भोज के नाम पर भी बनना चाहिए।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने शुक्रवार सुबह रातापानी टाइगर रिजर्व का भी लोकार्पण किया। राजधानी के इतने करीब टाइगर रिजर्व होने पर उन्होंने कहा- हमारे भोपाल की कई सड़कें ऐसी हैं जहां दिन में आदमी चलते हैं और रात में बाघ। यह बात सुनकर लोगों के रौंगटे खड़े हो जाते हैं।

भोपाल में 5 विकास कार्यों का भूमि पूजन

* राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा 6.5 करोड़ की लागत से शासकीय मौलाना आजाद केंद्रीय पुस्तकालय में हॉल का निर्माण।
* 2.08 करोड़ रुपए में केंद्रीय जेल भोपाल में 5 मीटर ऊंची 150 मीटर लंबी इनरवाल का निर्माण कार्य।
* 3 करोड़ रुपए की लागत से केंद्रीय जेल भोपाल में 4 बैरेक (02 डबल स्टोरी का निर्माण कार्य)।
* 1.47 करोड़ रुपए की लागत से शासकीय हाई स्कूल भवन हिरणखेड़ी, जिला भोपाल का निर्माण कार्य।
* 4.5 करोड़ रुपए की लागत से शासकीय एमवीएम महाविद्यालय परिसर भोपाल में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग के कार्यालय भवन का निर्माण कार्य।

भोपाल, जबलपुर समेत 28 जिलों में शीतलहर

एमपी में अगले 4 दिन कड़ाके की सर्दी ; दिन भी ठंडे रहेंगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन तक कड़ाके की सर्दी पड़ने का अलर्ट है। शुक्रवार को भोपाल, जबलपुर समेत 28 जिलों में कोल्ड वेव (शीतलहर) चल रही थी। रात के साथ दिन भी ठंडे रहेंगे। पहाड़ों में बर्फबारी और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से सर्द हवा चलना इसकी वजह है। इंदौर और उज्जैन में थोड़ी राहत रहेगी।

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को जबलपुर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, मैहर, उमरिया, शहडोल, डिंडौरी, सिवनी, नर्मदापुरम में सर्द हवा चलेगी। भोपाल, राजगढ़, शाजापुर, नीमच, विदिशा, सीहोर, रायसेन, कटनी, सीधी में कोल्ड-डे और सर्द हवाएं दोनों का असर रहेगा। मंडला, मंदसौर, रतलाम, बैतूल, नरसिंहपुर में कोल्ड डे यानी ठंडा दिन रहेगा।

उधर, कड़ाके की ठंड पड़ने से भोपाल, इंदौर समेत कई जिलों में स्कूलों की टाइमिंग बदल गई है। स्कूल 1 घंटे बाद 9 बजे से लग रहे हैं। भोपाल के वन विहार, इंदौर, ग्वालियर के जू में जानवरों को सर्दी से बचाने के लिए हीटर लगाए गए हैं। मंदिरों में भगवान को भी ठंड से बचाने के जतन हो रहे हैं। रायसेन में ठंड की वजह से कई जिलों में स्कूलों की टाइमिंग सुबह 9 बजे से कर दी गई है।

एमपी में पांचवीं रात भी ठंड का असर, पचमढ़ी सबसे ठंडा- मध्यप्रदेश में लगातार पांचवीं रात कड़ाके की ठंड रही। इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल में 7.8 डिग्री, इंदौर में 9.6 डिग्री, ग्वालियर में 7 डिग्री, उज्जैन में 9.5 डिग्री और जबलपुर में पारा 6.1 डिग्री रहा। रायसेन, राजगढ़, उमरिया में तापमान 5 डिग्री से कम रहा। वहीं, खजुराहो, रीवा, नौगांव, टीकमगढ़, मंडला, सतना, सागर में 7 डिग्री से नीचे रहा।

इस बार पहले पखवाड़े में ही कड़ाके की ठंड

इस साल दिसंबर की सर्दी ने ट्रेंड बदल दिया है। पिछले 10 साल का रिकॉर्ड और ट्रेंड देखें, तो दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में कड़ाके की ठंड पड़ती रही है, लेकिन इस बार पहले ही पखवाड़े में तेज सर्दी का असर है। भोपाल और इंदौर की रात तो पिछले 2 साल में सबसे ठंडी रही है, यानी दिसंबर की ठंड का रिकॉर्ड टूट गया है।

नवंबर में भी सर्दी तोड़ चुकी रिकॉर्ड

नवंबर में भी सर्दी रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। भोपाल में तो 36 साल का रिकॉर्ड टूटा है। इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में भी पारा सामान्य से 7 डिग्री तक नीचे रहा। अब दिसंबर में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

एमपी में कड़ाके की ठंड पड़ने की 2 वजह

आईएमडी, भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, उत्तर भारत में बर्फबारी होने से सर्द हवाएं प्रदेश में आ रही है। इस वजह से ज्यादातर हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

पश्चिम-उत्तर भारत में 12.6 किमी की ऊंचाई पर 278 किमी/घंटे की गति से सब ट्रॉपिकल जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही हैं। हवा की ऊंचाई कम होगी या रफ्तार तेज होगी, तो ठंड का असर और बढ़ जाएगा।

उत्तरी पाकिस्तान के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस और निकटवर्ती क्षेत्रों में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से बर्फ पिघल रही है। इस वजह से भी हवा में ठंडक है।

स्वीकृत भार से अधिक विद्युत उपयोग पर 46 लाख का बिल

भानपुर की तिलकराम स्वीटस पर कार्यवाही

भोपाल (नप्र)। भोपाल के भानपुर क्षेत्र में स्थित तिलकराम स्वीट्स द्वारा अपने प्रतिष्ठान में स्थापित बिजली कनेक्शन के स्वीकृत भार से ढाई गुना अधिक भार का उपयोग करते पाए जाने पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की बीआई सेल टीम ने 46 लाख 11 हजार 694 रूपये का बिल जारी किया है।

गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं के परिसरों में सघन चेकिंग अभियान चलाकर स्वीकृत भार से अधिक भार का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की जाँच की जा रही है। जांच में बढ़ा हुआ लोड पाए जाने पर खपत के आधार पर जुर्माना लगाकर बिल जारी किये जा रहे हैं। इसी क्रम मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल शहर वृत्त अंतर्गत

बीआई सेल द्वारा संदेह होने पर एलटी हाई वैल्यू कंज्यूमर के मीटर के एमआरआई डाटा से उपभोक्ताओं की औसत खपत एवं लोड का विश्लेषण किया गया। इसमें उपभोक्ता मे. तिलकराम स्वीट्स भानपुर द्वारा स्वीकृत भार 45 किलोवाट के अनुसार दर्ज खपत एवं अधिकतम मांग के अनुसार जारी बिल में कमी पाए जाने पर उप महाप्रबंधक बीआई सेल श्री अजय वाधवानी, प्रबंधक श्रीमती रितु वाजपेई, श्री शरद पाठक एवं सहायक श्री प्रबंधक हर्षद केकरे सहित बीआई सेल टीम द्वारा उपभोक्ता के परिसर में स्थापित विद्युत मीटर एवं लोड की जांच की गई। उपभोक्ता मे. तिलकराम स्वीट्स भानपुर द्वारा स्वीकृत भार से अधिक भार लगभग ढाई गुना ज्यादा 109 किलोवाट एवं मीटर का एमएफ 20 पाया गया, जिस पर तत्काल कार्यवाही की गयी।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा इन दिनों निम्नदाब के गैर घरेलू और औद्योगिक (पॉवर) उपभोक्ताओं के परिसरों का व्यापक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान उपभोक्ता परिसर में विद्युत भार

पुलिस ने 12 लोगों को जुआ खेलते हुए पकड़ा

13 कार, 10 बाइक और 18 मोबाइल जब्त ; 3.90 लाख रुपए नकद भी बरामद

सीहोर (नप्र)। जिले के शाहगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने मौके से 12 लोगों को हिरासत में लिया। साथ ही 13 चार पहिया वाहन, 10 बाइक, 18 मोबाइल फोन समेत लाखों का समान जब्त किया।

घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा- जानकारी के मुताबिक पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नांदनेर में राजपूत ढाबे के पीछे खेत में कुछ लोग जुआ खेल रहे है। पुलिस की टीम मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंची। वहां, कुछ लोग ताश के पत्तों से रुपए का दाव लगाकर जुआ खेल रहे थे। जिन्हें पुलिस ने घेराबंदी कर के पकड़ा।

3 लाख से ज्यादा नगद जब्त- पुलिस ने मौके से 3 लाख 90 हजार 940 रूपए, 18 मोबाईल फोन, 13 चार पाहिया कार और 10 बाइक जब्त किए। जब्त किए गए नगद और कुल समानों की कीमत लगभग 60 लाख रुपए बताई गई।

अटलजी का सपना पूरा कर रहे मोदी-मोहन : मंत्री सिलावट

समय के साथ बूढ़े हो रहे बांध, इनका नियमित चेकअप जरूरी

भोपाल (नप्र)। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि प्रदेश में 6314 छोटे और बड़े बांध हैं। ये बांध हमारे किसानों, नागरिकों और उद्योगों की रीढ़ हैं। ये बांध समय के साथ बूढ़े हो रहे हैं, इनका नियमित हेल्थ चेकअप करना आवश्यक है। इसीलिए 30 दिसंबर 2021 को देश में बांध सुरक्षा अधिनियम लागू किया गया। जिसमें मध्य प्रदेश के 1361 बांधों को चिन्हित किया गया है।

जल संसाधन मंत्री सिलावट ने शुक्रवार को होटल मैरियट में बांधों की सुरक्षा संबंधी दो दिवसीय कार्यशाला रीजनल वर्कशॉप ऑन रैपिड रिस्क स्क्रीनिंग ऑफ डैम्स का शुभारंभ किया। इस दौरान मंत्री सिलावट ने कहा कि, प्रदेश के कुल बांधों में से 50 बांध 100 साल से अधिक पुराने हैं, जबकि 90त्न बांध ढाई दशक पुराने हो चुके हैं। इन सभी का नियमित रखरखाव और सुरक्षा उपाय आवश्यक हैं। चिन्हित बांधों में से 500 से अधिक की प्रथम स्तरीय रैपिड स्क्रीनिंग हो चुकी है। जून 2025 तक सभी बांधों का मूल्यांकन पूरा कर लिया जाएगा। यह अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण है। मध्य प्रदेश में 27 बांधों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ड्रिप परियोजना-2 के तहत 551 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति सरकार द्वारा प्रदान की गई है।

जल संसाधन मंत्री तुलसी राम सिलावट ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का नदी जोड़ो का सपना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पूरा कर रहे हैं। प्रदेश की दो महत्वाकांक्षी सिंचाई परियोजनाओं पार्वती-कालीसिंध-चंबल और केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजनाओं का शुभारंभ प्रधानमंत्री मोदी करने वाले हैं। प्रदेश की वर्तमान सिंचाई क्षमता 50 लाख हेक्टेयर है। इसे वर्ष 2025-26 तक 65 लाख हेक्टेयर और वर्ष 2028 तक एक करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का टारगेट है।

मंत्री सिलावट ने कहा कि राष्ट्र का विकास किसानों के विकास में निहित है और किसानों के लिए सिंचाई सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। कार्यशाला में उन्होंने बांधों की सुरक्षा के लिए वेब आधारित रैपिड रिस्क एसेसमेंट टूल भी लॉन्च किया। जल कलश से जल प्रवाहित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला में जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव आनंद मोहन, मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विषय विशेषज्ञ एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मौसम परिवर्तन के साथ बांधों की सुरक्षा महत्वपूर्ण- भारत सरकार जल मंत्रालय की सचिव देवाश्री मुखर्जी ने कहा कि मौसम परिवर्तन के साथ बांधों की सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण हो गई है। वैज्ञानिक तरीके से सभी बांधों की सुरक्षा जरूरी है। इसके लिए हर वर्ष बारिश के पहले और बाद में बांधों का निरीक्षण और रिस्क असेसमेंट आवश्यक है। इसके लिए आज ऑनलाइन टूल भी लॉन्च किया गया है। राजेश राजौरा अपर मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग ने कहा कि मध्य प्रदेश में बांधों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इसके लिए निरंतर निरीक्षण और रखरखाव किया जा रहा है।

हमीदिया के वार्डबॉय को नहीं मिला वेतन, बोले-

राशन भी खत्म हुआ, अधिकारी कहते-नौकरी छोड़ दो, सोमवार को फिर कर सकते हैं हड़ताल

भोपाल (नप्र)। मकान मालिक बोल रहे हैं कमरे का किराया नहीं दे सकती तो रूम खाली कर दो। स्कूल वाले बोल रहे हैं कि बच्चों की फीस नहीं दे नहीं दी तो उन्हें स्कूल मत भेजो। 8.5 हजार रुपए सैलरी है हमारी, वह भी तीन महीने से नहीं मिली, सैलरी की बात करो तो सुपरवाइज़र कह देते हैं कि दूसरी जगह ढूंढ लो, यह कहना है हमीदिया अस्पताल की वार्ड बॉय के रूम में काम करने वाली पीड़िता जो अयोध्या बाइपास पर किराए के मकान में रहती हैं।

बता दें 500 के करीब वार्ड बॉय और टेक्नीशियन ने 10 दिसंबर को सैलरी नहीं मिलने के चलते अस्पताल परिसर में हड़ताल की थी। जिसके बाद उन्हें जल्द सैलरी देने का आश्वासन उनकी कंपनी व प्रबंधन ने दिया था। जिसके बाद हड़ताल खत्म की गई। शुक्रवार रात 8 बजे तक सैलरी नहीं आ सकी हैं। वहीं वार्ड बॉय ने इस मामले में मीडिया के साथ बातचीत में अपनी परेशानियों को साझा किया। वार्ड बॉय तरुण लोधी ने बताया कि मैं भानपुर के पास किराए के घर में रहता हूं, बच्चों की फीस तो जा नहीं पा रही थी और अब घर में खाने-पीने को भी दिक्कत होने लगी हैं। मेरे दो बच्चे हैं, स्कूल वाले फीस का बोल रहे हैं। मगर हमारी सैलरी नहीं मिलने के चलते परेशानी हो रही है। घर में राशन भी खत्म हो गया है, कुछ समझ ही नहीं आ रहा है।

फिर हो सकती है हड़ताल- हड़ताल करने वाले वार्ड बॉय की माने तो उन्हें प्रबंधन ने शुक्रवार या शनिवार तक सैलरी आने की बात कही है, उनका कहना है कि अगर सैलरी नहीं मिली तो सोमवार को फिर से यह वार्ड बॉय हड़ताल पर जाएंगे। बता दें हमीदिया अस्पताल में रोज 2500 से अधिक की ओपीडी रहती है। वहीं 60 से अधिक ऑपरेशन होते हैं। वार्ड बॉय जहां एक तरफ जांच आदि के लिए मरीजों को मदद करते हैं वहीं टेक्नीशियन कई तरह की मशीन हेंडलिंग के अलावा पर्चे आदि बनाने का काम करते हैं।

नहीं मिल पा रही सैलरी

गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) ने एजाइल कंपनी को पिछले तीन महीने से पेमेंट नहीं किया है। इसके चलते कंपनी ने कर्मचारियों की सैलरी रोक दी। कंपनी की 15 करोड़ से अधिक की रकम जीएमसी पर बकाया होने की बात सामने आई हैं।दो महीने जब कर्मचारियों ने हड़ताल की थी, तब कंपनी को 1 करोड़ रुपए दिए गए। जिसके बाद कर्मचारियों की सैलरी जारी की गई। हालांकि उसमें दिवाली बोनस नहीं था। इससे पहले इन कर्मचारियों ने तीन से चार बार कंपनी को पत्र लिखकर शिकायत की थी। पत्र के जवाब में कंपनी ने सिर्फ आश्वासन दिया था।